जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:290 दिनांक:01-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में खेला जा रहा दूसरा टेस्ट रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है। भारत ने चौथे दिन पहली पारी में 52 रनों की बढ़त हासिल की और दूसरी पारी में बांग्लादेश के 26 रन पर दो विकेट गिरा दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति बालाजी के प्रसाद के लड्डू में मिलावटी घी के इस्तेमाल के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के दावे पर सोमवार को सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा कि उन्होंने किस आधार पर कह दिया कि लड्डुओं में मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ है।

जम्मू-कश्मीर की 40 सीटों पर आज मतदान

आखिरी फेज में 415 कैंडिडेट्स; आतंकी अफजल गुरू और इंजीनियर राशिद के भाई चुनावी मैदान में

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण में मंगलवार को 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 39.18 लाख वोटर्स शामिल होंगे। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, आखिरी फेज 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 387 पुरुष और 28 महिला उम्मीदवार हैं। थर्ड फेज में 169 कैंडिडेट्स करोड़पति और 67 उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू के नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह राणा की सबसे ज्यादा 126 करोड़ संपत्ति है। इस फेज में संसद हमले का मास्टरमाइंड अफजल गुरु के बड़े भाई एजाज अहमद गुरु भी चुनावी मैदान में है। एजाज गुरु सोपोर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं।

नॉर्थ कश्मीर की लंगेट सीट से इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पूर्व उप मुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग बारामूला से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। 18 सितंबर को पहले फेज की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38 प्रतिशत वोटिंग हुई। वहीं 25 सितंबर को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर 57.31 प्रतिशत मतदान हुआ।

जम्मू की सबसे ज्यादा 11 सीटों पर वोटिंग

तीसरे फेज में जम्मू जिले की सबसे ज्यादा 11 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं बारामूला की 7, कुपवाड़ा और कठुआ की 6-6, उधमपुर की 4, बांदीपोरा और सांबा की 3-3 सीटों पर वोटिंग होगी। बारामूला सीट पर सबसे ज्यादा 25 कैंडिडेट्स चुनावी मैदान में हैं। वहीं जम्मू की अखनूर में 3 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। आखिरी फेज में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 33 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन में चुनाव लड़ रहे नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 18 जबकि कांग्रेस 24 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा के 29 कैंडिडेट्स हैं। वहीं 155 निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में हैं।

सीएनजी पंप लगाने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और सीएनजी पंप लगाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक मॉडयूल के तीन शातिर को गिरफ्तार किया है। इन्होंने सीएनजी पंप स्थापित करने के नाम पर एक कारोबारी से 2.39 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी।

आरोपितों के विभिन्न बैंक खातों में जमा 1.79 करोड़ रुपये फ्रीज किए है। इनके घरों से 60 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल, सिम कार्ड, फर्जी आईजीएल पत्र, एनओसी, चालान, एरिया ब्लॉकिंग फीस प्रमाण पत्र आदि जब्त किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 27 मार्च को एक कारोबारी ने आईएफएसओ में शिकायत कर बताया कि उनके भूखंड पर सीएनजी पंप लगाने के नाम पर कुछ लोगों ने 2.39 करोड़ की धोखाधड़ी की है। 2021 में पेट्रोल व सीएनजी पंप आवंटन प्रक्रिया के बारे में ऑनलाइन जानकारी लेने के दौरान दो व्यक्तियों, अमरेंद्र और अमित पांडे ने संपर्क किया था। दोनों ने अपने को इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के समन्वयक और एजेंट के रूप में प्रस्तुत किया था और कम औपचारिकताओं के साथ सीएनजी पंप लगाने का वादा करके उनसे करोड़ों ठग लिए। फर्जी दस्तावेज जैसे पंजीकरण प्रमाणपत्र, बैंक खाता विवरण और जीएसटी नंबर के साथ चालान तैयार कर उनके पास भेजा गया।

आईजीएल के अधिकारियों के रूप में सामने आकर धोखेबाजों ने उन्हें शिकार बनाया। शिकायत पर जांच के बाद केस दर्ज हुआ। एसीपी जय प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पहले पैसे के लेन-देन का पता लगाया। आरोपितों द्वारा प्रस्तुत पंजीकरण और आवंटन दस्तावेजों को आईजीएल से सत्यापित कराने पर सब कुछ फर्जी पाए गए। इसके बाद अमित कुमार पांडे, अमरेंद्र कुमार और अमर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पहचान से बचने के लिए आरोपित अन्य व्यक्तियों के नाम पर लिए गए सिम कार्डों का उपयोग कर रहे थे। उन्होंने शिकायतकर्ता को दस्तावेज़ भेजने के लिए फर्जी ईमेल आइडी भी बनाई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में 16 अक्टूबर को होगी सुनवाई

-मुस्लिम पक्ष की री कॉल अर्जी पर कोर्ट में बहस

प्रयागराज (ईएमएस)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मुस्लिम पक्ष की री कॉल अर्जी पर कोर्ट में वकीलों ने अपना पक्ष रखा। हिंदू पक्ष की तरफ से जवाब दाखिल किया गया। कोर्ट ने अब केस की अगली सुनवाई के लिए 16 अक्टूबर की तारीख तय की है।

दरअसल मस्जिद पक्ष की ओर से इस मामले में रिकॉल एप्लिकेशन दाखिल की गई है। जिसमें कहा गया है कि वाद बिंदु तय करने से पहले रिकॉल एप्लिकेशन (किसी आदेश को वापस लेने के लिए दायर किया जाने वाला आवेदन) पर सुनवाई हो। इस पर मंदिर पक्ष ने विरोध किया। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने मंदिर पक्ष से 30 सितंबर तक जवाब दाखिल करने के लिए कहा था। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। मस्जिद पक्ष चाहता है कि सभी मामलों को अलग-अलग सुना जाए। जबकि कोर्ट सभी सिविल वादों की एकसाथ सुनवाई करने का फैसला दे चुका है। रिकॉल एप्लिकेशन पर मंदिर पक्ष का जवाब न दाखिल होने की वजह से इस पर बहस नहीं हो सकी थी।

नसरल्लाह की मौत पर लखनऊ में हजारों शिया सड़कों पर उतरे, जताया शोक

लखनऊ,(ईएमएस)। हिज़बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद लखनऊ में शिया समुदाय में गहरा शोक है। जैसे ही यह खबर सामने आई तो लखनऊ में आधी रात को करीब दस हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए और मातम करना शुरू कर दिया। शिया धर्मगुरुओं ने नसरल्लाह की मौत पर तीन दिन का शोक मानने का ऐलान किया है।

लखनऊ के पुराने शहर में हजारों लोग रात में इकट्ठा हुए और मातमी जुलूस निकाला। लोग हाथों में काले झंडे और बैनर लिए नजर आए। धार्मिक नारों के साथ शांति की अपील भी की गई। यह दृश्य न सिर्फ शिया समुदाय की भावनाओं को दर्शाता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे भावनात्मक माहौल का एक उदाहरण है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को टाला जा सके। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नसरल्लाह की मौत की पुष्टि हिज़बुल्लाह ने शनिवार को की थी जब इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने दावा किया कि उन्होंने हिज़बुल्लाह चीफ को मार दिया है। नसरल्लाह 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद हिज़बुल्लाह की स्थापना के समय से संगठन के साथ जुड़े हुए थे और 1992 में नसरल्लाह इसके नेता के रूप में कार्यभार संभाला। उनके नेतृत्व में हिज़बुल्लाह ने अपनी सैन्य क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया और ईरान के साथ मजबूत गठबंधन बनाए रखा। नसरल्लाह का मारा जाना हिज़बुल्लाह के लिए बड़ा झटका है, जिसने न सिर्फ संगठन के नियंत्रण को प्रभावित किया है, बल्कि उसके भविष्य की रणनीतियों पर भी गहरा असर डाला है।

राफेल मरीन जेट डील में फ्रांस ने घटाई कीमत

-26 जेट का फाइनल ऑफर भेजा

पुणे (ईएमएस)। भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन जेट खरीदने की डील लगभग फाइनल हो गई है। फ्रांस ने डील को लेकर फाइनल ऑफर भेज दिया है। इस बार फ्रांस ने कीमत में कटौती की है। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। हालांकि, फाइनल डील कितने में होगी, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत नौसेना के लिए राफेल-रू की डील के लिए बेस प्राइज वही रखना चाहता है, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी। इस सौदे की कीमत 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। पहले दौर की चर्चा जून 2024 में हुई थी

26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील पर पहले दौर की चर्चा पिछले महीने शुरू हुई थी। तब फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारियों ने रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रैक्ट नेगोशिएशन कमेटी से चर्चा की थी। 50 हजार करोड़ की यह डील फाइनल होने पर फ्रांस राफेल-रू जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टक सपोर्ट भी मुहैया कराएगा। इस डील की जानकारी सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की पिछले साल की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, जिसे फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया।

प्रसाद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र सरकार से कहा

कम से कम भगवान को तो सियासत से दूर रखें

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद (लड्डू) बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने पूछा कि यह दिखाने के लिए क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया था। हम कम से कम इतनी उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा। अगर जांच के आदेश दिए गए थे तो प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? तिरुपति लड्डू विवाद पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है।

याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने कहा कि वे एक भक्त के रूप में यहां आए हैं। प्रसाद में मिलावट के बारे में प्रेस में दिए गए बयान के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं और इससे कई अन्य मुद्दे भी उठ सकते हैं। यही नहीं, इससे सांप्रदायिक सद्भाव भी बिगड़ सकता है। ये चिंता का विषय हैं। यदि भगवान के प्रसाद पर प्रश्नचिह्न है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार के वकील से कहा कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट से पता चलता है कि जिस घी की जांच की गई, उसे दरकिनार कर दिया गया था। उसने राज्य से पूछा कि एसआईटी जांच के आदेश देने के बाद प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से यह भी पूछा कि एसआईटी जांच के नतीजे आने तक प्रेस में जाने की क्या ही जरूरत थी?

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। तिरुपति लड्डू विवाद पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है।

भारत से विदेशों में नौकरी के नाम पर लड़कियों की तस्करी

- 9 लड़कियों को छुड़ाने में मिली मदद

जालंधर (ईएमएस)। संत सीचेवाला ने पंजाब के लोगों से अपील की है। वह अपनी बेटियों को खाड़ी के देशों में भेजने से बचें। उन्होंने अरब देशों में फंसी लड़कियों का उल्लेख करते हुए, उनकी दुखद कहानी सुनाई। नौकरी और अच्छे भविष्य का लालच दिखाकर पंजाब की लड़कियों को खाड़ी के देशों में भेजा जा रहा है। वहां पर उन्हें कैद कर लिया जाता है। उनका यौन शोषण होता है।

खाड़ी के देशों से जो 9 लड़कियां वापस आई हैं। उन्होंने अपनी दुखद गाथा सुनाई है। इन लड़कियों को पंजाब से 35 से 40000 की नौकरी का झांसा देकर खाड़ी देशों में ले जाया गया था। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनके पासपोर्ट ले लिए गए थे। लड़कियों को कमरों में कैद कर दिया जाता था।

खाड़ी के देशों में लड़कियों को भेजने का काम ट्रैवल एजेंट अवैध तरीके से करते हैं। खाड़ी के देशों में इन लड़कियों से 12 घंटे से अधिक लगातार काम करवाया जाता है। उनके साथ दुर्व्यवहार होता है। उनका शारीरिक शोषण किया जाता है। विरोध करने पर मारपीट की जाती है। सांसद संत बलबीर सिंह की कोशिशों के बाद इराक, अमन और कतर से 9 लड़कियों को बामुश्किल वापस लाया गया है। उन्होंने जब अपनी आप बीती सुनाई। उससे सभी हतप्रभ होकर रह गए।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

8 अक्टूबर को नेशनल अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मान मिलेगा

नई दिल्ली(ईएमएस)। दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड इस साल मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की। 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में मिथुन को सम्मान दिया जाएगा।

मिथुन ने अपना फिल्मी करियर 1976 में मृगया से शुरू किया था। पहली ही फिल्म में उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता। 1982 में आई डिस्को डांसर से उन्हें पहचान मिली। अश्विनी वैष्णव ने एक्स लिखा, मिथुन दा की उल्लेखनीय सिनेमैटिक जर्नी कई जनरेशन्स को इंस्पायर करती है। ये अनाउंस करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि दादा साहेब फाल्के सिलेक्शन जूरी ने इस साल लेजेंड्री एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को उनके भारतीय सिनेमा को दिए आइकॉनिक योगदान के लिए ये अवॉर्ड देने का फैसला किया है।

350 से ज्यादा फिल्में कीं, 3 नेशनल अवॉर्ड जीते

16 जून 1950 को मिथुन चक्रवर्ती का जन्म कोलकाता में हुआ था। उनका असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। मिथुन ने 1976 की आर्ट फिल्म मृगया से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के लिए उन्हें पहला नेशनल अवॉर्ड मिला था। मिथुन अपने करियर में 3 नेशनल अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं। उन्हें दूसरा नेशनल अवॉर्ड 1993 की फिल्म तहादेर कथा, जबकि तीसरा नेशनल अवॉर्ड 1996 की स्वामी विवेकानंद के लिए मिला। करीब 4 दशकों के एक्टिंग करियर में मिथुन बंगाली, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़,ओडिया और भोजपुरी जैसी कई भाषाओं की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं।

सरपंच पद के लिए 2 करोड़ की बोली

डेरा बाबा नानक(ईएमएस)। पंजाब में पंचायत चुनाव के ऐलान के बाद गांवों में हलचल शुरू हो गई है। गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक के गांव हरदोवाल कलां में सरपंच पद के लिए 2 करोड़ की बोली लगाई गई। अभी तक इस पर फैसला नहीं आया है। गांव में आज भी बोली जारी रहेगी। भाजपा नेता आत्मा सिंह के मुताबिक यह बोली और भी ऊंची जाएगी। इस बोली को लेकर सभी गांववालों की सहमति है। वहीं गांव की युवा सभा का दावा है कि बोली से आने वाला पैसे गांव के विकास पर खर्च किया जाएगा। जबकि पंचायत को दी जाने वाली ग्रांट अलग से होगी। सूत्रों के मुताबिक अभी तक प्रशासन के पास कोई शिकायत नहीं पहुंची है। गांव में इस तरह की प्रक्रिया पहली बार हो रही है।

सरकारी कबूलनामा......सीवरों और सैप्टिक टैंक कर्मियों में 91.9 प्रतिशत एससी, एसटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के शहरों और कस्बों में सीवरों और सैप्टिक टैंकों की सफाई में लगे 91.9 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से हैं। ये आंकड़े 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 3,000 से ज्यादा शहरी स्थानीय निकायों के हैं। 38,000 श्रमिकों की प्रोफ़ाइलिंग से ये डेटा निकला गया है। सरकारी आंकड़ों से ही ये डेटा इकट्ठा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 38,000 श्रमिकों की प्रोफाइलिंग की गई। इसमें पता चला कि इसमें 68.9 प्रतिशत एससी, 14.7 प्रतिशत ओबीसी, 8.3 प्रतिशत एसटी और 8 प्रतिशत सामान्य वर्ग से थे। संसद में पेश सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2023 के बीच देश भर में कम से कम 377 लोगों की मौत सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई से हुई है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नमस्ते प्रोग्राम के तहत सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों (एसएसडब्ल्यू) की प्रोफ़ाइलिंग कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक़, सामाजिक न्याय मंत्रालय का कहना है कि नमस्ते कार्यक्रम का लक्ष्य सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई से सीधे जुड़े कर्मचारियों की जानकारियां इकट्ठा करना है। इन कर्मचारियों की पहचान करना, उन्हें सेफ़्टी ट्रेनिंग और और उपकरण देना और पूंजीगत सब्सिडी देना है। जिससे सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों को सुविधा हो और वहां स्वच्छता उद्यमी बन सकें। इन कर्मचारियों में डीस्लजिंग वाहनों के ड्राइवर, हेल्पर, मशीन ऑपरेटर और क्लीनर शामिल हैं।

महाराष्ट्र में बढ़ रहा जीका वायरस का प्रकोप, मुंबई में जीका ने दी दस्तक

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में जीका वायरस का प्रकोप बढ़ने लगा है। राज्य में अब तक जीका के 130 मरीज हैं और सबसे ज्यादा मरीज पुणे मनपा क्षेत्र में हैं और अब मुंबई में भी जीका ने दस्तक दे दी है।

खबर है कि दादर इलाके में एक मरीज मिलने से मुंबई महानगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने जीका के खतरे को लेकर गर्भवती महिलाओं को सावधानी बरतने की अपील की है। बताया गया है कि दादर में एक 86 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति पिछले सप्ताह जीका से संक्रमित हो गया और उसका हिंदुजा अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि मरीज बुजुर्ग है और अन्य बीमारियों से भी पीड़ित हैं।

इस बीच राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पुणे मनपा क्षेत्र में 100, पिंपरी-चिंचवड़ में 06, अहमदनगर (संगमनेर) 11, पुणे ग्रामीण 9, कोल्हापुर 1, सांगली (मिराज) 1, कोल्हापुर 1 तथा सोलापुर में 1 यानि कुल 130 मरीज सामने आए हैं। एक बार जब जीका का मरीज मिल जाता है, तो ऐसे स्थानों पर ट्रैकिंग और ट्रेसिंग का काम तुरंत शुरू कर दिया जाता है। मुंबई के दादर इलाके में 5,40,712 लोगों की जांच की गई और 94,846 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें 2746 घरों में मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए गए हैं।

मुंबई में दिल का दौरा पड़ने से हर 55 मिनट में एक की मौत

- 25 से 35 वर्ष की आयु के युवाओं को सबसे अधिक खतरा

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में दिल का दौरा पड़ने से हर दिन 27 लोगों की मौत हो जाती है। इसका मतलब है कि हर 55 मिनट में एक व्यक्ति की मौत होती है। यह चौंकाने वाली जानकारी मुंबई महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की 2023 की रिपोर्ट से सामने आई है। सभी मौतों में से 11 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे से होती हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि दिल के दौरे की सबसे अधिक घटनाएं 40 वर्ष की आयु वर्ग में होती हैं। वर्तमान समय में कई बीमारियाँ गलत जीवनशैली और अनुचित खान-पान के कारण होती हैं। इनमें मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याएं शामिल हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पिछले कुछ सालों में मुंबईकरों का स्वास्थ्य अधिक खतरे में पड़ गया है। मालूम हो कि रविवार को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर मुंबई मनपा की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दक्षा शाह के अनुसार, कुछ वर्षों से मौतों का प्रतिशत और साथ ही कुल संख्या लगभग स्थिर रही है। 2021 में दिल के दौरे से मरने वालों की संख्या 10,683 थी, जबकि 2022 में यह संख्या 9,470 और 2023 में 10,077 थी।

- डब्ल्यूएचओ के सर्वे से क्या निकला?

डब्ल्यूएचओ स्टेप्स सर्वेक्षण से पता चला कि 18 से 69 वर्ष के आयु वर्ग के 34 प्रतिशत मुंबईकरों को उच्च रक्तचापथा। जबकि 18 प्रतिशत मधुमेह और 21प्रतिशत उच्च कोलेस्ट्रॉल स्तर के लिए दवा ले रहे थे। इसी तरह, 37 प्रतिशत मुंबईवासियों में धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा हृदय रोगों के जोखिम कारकों में से एक पाया गया है।

- युवा वयस्कों में दिल का दौरा पड़ने की दर

मुंबई के एक निजी अस्पताल में 2021 और 2023 के बीच की गई एंजियोप्लास्टी के अध्ययन से पता चला कि 25-35 वर्ष की आयु के रोगियों में दिल के दौरे की संख्या में वृद्धि हुई है। वॉकहार्ट अस्पताल, मीरा रोड द्वारा किए गए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण के अनुसार, 65 से 67 प्रतिशत लोग नियमित रूप से अपना रक्तचाप जांच नहीं कराते हैं। इसके अलावा, 62 प्रतिशत लोग नियमित रूप से अपने शरीर के कोलेस्ट्रॉल की जांच नहीं कराते हैं।

महाराष्ट्र में कांग्रेस आलाकमान 100 से कम सीटों पर राजी नहीं?

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में कांग्रेस की नजरें राज्य के मुख्यमंत्री पद पर हैं। कई नेता इसके संकेत भी दे चुके हैं। साथ ही इस बात की संभावनाएं कम जताई जा रही हैं कि कांग्रेस आलाकमान 100 से कम सीटों पर माने। खास बात है कि साल 2019 में पार्टी डिप्टी सीएम के पद के लिए भी गठबंधन के साथियों को तैयार नहीं कर सकी थी। अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटें और सीएम पद पर नजर बनाए हुए है। दरअसल, जून में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 13 पर जीत हासिल की थी। वहीं, साथी दल शिवसेना (उद्धव) 21 पर चुनाव लड़ 9 सीटों पर विजयी रही। जबकि, 10 सीटों पर मैदान में उतरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) की 10 में से 8 सीटों पर जीत हुई थी। इनके अलावा सांगली से निर्दलीय सांसद विशाल प्रकाशबाबू पाटिल ने भी कांग्रेस को समर्थन दे दिया था। कांग्रेस के नेताओं को भरोसा था कि अगर वे रिजल्टदेनेमेंकामयाबरहे, तो विधानसभा चुनाव के टिकट वितरण में उनका पक्ष मजबूत रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के एक नेता ने कहा, कांग्रेस का महाराष्ट्र में मजबूत जनाधार है। क्षेत्रीय नेताओं को अगर अच्छा भविष्य नजर आता है, तो वे रिजल्ट दे सकते हैं।

अब कांग्रेस 288 में से 110-115 सीटों की तैयारी कर रही है। पार्टी उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लिए 90-95 और एनसीपी (शरद) के लिए 80-85 सीटें छोड़ने के पक्ष में है। हालांकि, अब तक सीटों की संख्या पर अंतिम मुहर नहीं लगी है, लेकिन सूत्रों ने बताया है कि पार्टी आलाकमान के 100 से कम सीटों पर मानने की संभावनाएं कम हैं।

कांग्रेस की तरफ से गठबंधन के साथियों को बताया जाता रहा है कि चुनाव से पहले सीएम फेस का ऐलान नहीं किया जाएगा, लेकिन राज्य के नेता किसी तरह ऐसे संकेत दे रहे हैं। दो सप्ताह पहले ही कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहब थोराट ने कहा था कि अगला सीएम कांग्रेस से होगा। वहीं, नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को कई नेताओं की तरफ से राज्य का अगला सीएम बताया गया।

मोदी जी 100 सालों तक हैं, तब तक राहुल गांधी बूढ़े हो जाएंगे

पटना,(ईएमएस)। बेगूसराय से बीजेपी सांसद और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हालिया बयान जिसमें खड़गे ने कहा था कि मैं तब तक नहीं मरूंगा, जब तक मोदी को सत्ता से हटा ना दूं। इस पर गिरिराज ने कहा कि इस बयान से साफ है कि खड़गे साहब राहुल गांधी के विरोधी हैं। मोदी जी 100 सालों तक हैं, और तब तक राहुल बूढ़े हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी को इस पद तक पहुंचने का मौका ही नहीं मिलेगा।

गिरिराज ने खड़गे को चेतावनी देते हुए कहा कि पीएम मोदी का शासन देश की जनता के दिलों पर होगा और कोई भी सत्ता परिवर्तन करने में सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि खड़गे साहब, एक बात समझ लीजिए, पीएम मोदी हजार सालों तक देश की जनता के दिलों पर राज करेंगे।

ट्राई का नया नियम........आज से कॉल ड्रॉप, कमजोर कनेक्टिविटी पुरानी बातें

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में मोबाइल नेटवर्क 2जी से 3जी हुआ फिर 4जी का जमाना आया और आजकल 5जी के चर्च है। अगले कुछ सालों में मामला 6जी तक पहुंच जाएगा। मोबाइल इंटरनेट की स्पीड फर्राटा भर रही होगी। चंद सेकंड में बड़ी से बड़ी फाइल ट्रांसफर होगी। एआई को बूस्ट मिलेगा इसतरह की बढ़िया-बढ़िया बातें होती है। लेकिन हकीकत ये हैं कि नेटवर्क कोई सा भी हो, आज भी पूरे डंडे मिल जाएं तब क्या ही बात है। आज भी बंद कमरे या बेसमेंट में नेटवर्क नहीं मिलाता है।

लेकिन अब 1 अक्टूबर 2024 से कॉल ड्रॉप, कमजोर कनेक्टिविटी, गोल-गोल घूमती स्क्रीन से शायद थोड़ी सी निजात मिल सकती है। इसकी वजह है, ट्राई का नया नियम, जिसके कारण एयरेटल, जिओ,वीआई सहित बीएसएनएल को कमजोर और शानदार जबरदस्त जिन्दाबाद नेटवर्क की जानकारी वेबसाइट पर देनी ही होगी।

ट्राई यानी टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया, सिम नेटवर्क के लिए नया नियम लेकर आई है। नया नियम एयरेटल, जिओ,वीआई सहित बीएसएनएल पर लागू होगा। इसके बाद आपका थोड़ा फायदा होगा। हालांकि, इस नियम के आने से नेटवर्क ठीक होगा या मोबाइल पर पूरा सिग्नल दिखाने लगेगा, ऐसा कछु नहीं है। फिर भी कुछ सहूलियत होगी।

दावाः चंद्रयान-3 जिस क्रेटर पर उतरा वह नेक्टरियन काल में बना था

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने उपलब्धि हासिल की है, जिसमें यह चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटर में से एक पर सफलतापूर्वक उतरा। इसरो और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने मिशन से मिली तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद यह संभावना जताई है। चंद्रमा पर गड्ढों को क्रेटर कहा जाता है, जो अक्सर ज्वालामुखीय विस्फोटों या उल्का पिंडों के टकराव के कारण बनते हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रयान-3 जिस क्रेटर पर उतरा है, वह नेक्टरियन काल के दौरान बना था, जो करीब 3.85 अरब साल पहले का समय है। एसोसिएट प्रोफेसर एस. विजयन ने बताया कि यह स्थल एक अद्वितीय भूगर्भीय स्थान है, जहां पहले कोई अन्य मिशन नहीं पहुंचा है। मिशन के रोवर द्वारा ली गई तस्वीरें चंद्रमा के उस क्षेत्र की पहली तस्वीरें हैं, जो इस अक्षांश पर प्राप्त हुई हैं, और ये चंद्रमा के विकास को समझने में मदद करेंगी।

जब कोई तारा किसी बड़े पिंड की सतह से टकराता है, तो क्रेटर का निर्माण होता है और विस्थापित पदार्थ को इजेक्टा कहा जाता है। विजयन ने इसे एक साधारण उदाहरण से समझाया, जब आप रेत पर गेंद फेंकते हैं, तो रेत का कुछ हिस्सा विस्थापित होकर बाहर उछलता है, ठीक उसी तरह इजेक्टा भी बनता है।

चंद्रयान-3 ने जिस क्रेटर पर उतरने की कोशिश की, उसका व्यास करीब 160 किलोमीटर है और इसके अर्ध-वृत्ताकार संरचना के संकेत मिले हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह संभवतः क्रेटर का केवल आधा भाग है, जबकि दूसरा आधा भाग दक्षिणी ध्रुव-ऐटकेन बेसिन से निकले इजेक्टा के नीचे दबा हुआ है। चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग की थी। जिस स्थल पर यह उतरा, उसे 26 अगस्त, 2023 को शिव शक्ति प्वाइंट नाम दिया गया। इस मिशन के सफल परिणाम ने भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को और भी मजबूत किया है और चंद्रमा पर नई खोजों के लिए संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

जन हितैषी

विदेश में भारतीय प्रवासियों की चुनौतियाँ और योगदान

अमेरिका में प्रवासी भारतीय समुदाय वहां की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में जिस तरह से क्रियाशील है। उसके बाद से वहां के राजनेताओं का झुकाव भारतीय समुदाय के साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाने मे हुआ है। पिछले कुछ वर्षों मे राष्ट्रपति चुनाव से लेकर स्थानीय चुनाव में भारतीयों की भूमिका महत्वपूर्ण हुई है। हाल ही के राष्ट्रपति चुनाव मे कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही, भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए एड़ी चोटी का पसीना बहा रहे हैं। वहीं अमेरिका के नस्लवाद और कट्टर धार्मिक चरमपंथियों के कारण प्रवासी भारतीयों को चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों की संख्या पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है। 2010 से 2020 के बीच की अवधि में प्रवासी भारतीयों की संख्या एरिजोना में 473 और जॉर्जिया में 673 तक बढ़ गई है। प्रवासी भारतीयों की व्यापक उपस्थिति, बढ़ती राजनीतिक एवं आर्थिक शक्ति को दर्शाती है। इस बदलाव के कारण अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को चुनौती भी मिलना शुरू हो गई है। इसका सुनियन किस तरह से बनेगा, इसको लेकर भारतीयों में चिंता भी बढ़ गई है। भारतीय प्रवासियों का अमेरिका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। 20वीं सदी के प्रारंभ से भारतीयों ने अमेरिका और अन्य देशों मे जाकर व्यापार और नौकरी करना शुरू कर दिया था। 1913 में पहला ग़दर आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बनकर, प्रवासियों की स्थिति को मजबूत बनाया है। समय के साथ, भारतीय प्रवासी न केवल आर्थिक रूप से विदेशों में सशक्त हुए। अमेरिका और अन्य देशों में भारतीय प्रवासियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान भी बनाई। वर्तमान में, भारतीय प्रवासी समाज कई देशों में वहां की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। भारत से बाहर रहकर भी वह अपनी मातृभूमि के साथ पारिवारिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के कारण मजबूती के साथ जुड़े हुए हैं। विदेश में रहते हुए उन्होंने आर्थिक, शैक्षणिक, और तकनीकी क्षेत्र में वहां पर भागीदारी करते हुए, भारत के विकास में बड़ा योगदान दिया है। बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी अमेरिकी मे आईटी, उद्योग, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग भी बढ़ा है। इन दिनों सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से नस्लवाद, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आधार पर संघर्ष, अप्रवासन नीतियों में आए बदलावों ने प्रवासियों के जीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ट्रंप प्रशासन के दौरान कठोर अप्रवासन नीतियों ने भारतीय प्रवासियों के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी की थीं। विशेष रूप से, एच.-बी वीज़ा और ग्रीन कार्ड जैसी प्रक्रियाओं में कड़े नियम प्रवासी भारतीयों के लिए मुश्किल बन गये थे। इन सबके बावजूद, भारतीय प्रवासियों ने अमेरिका में हर चुनौती का सामना करते हुये नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। प्रवासी भारतीयों की सफलता केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है। प्रवासी भारतीयों ने दोनों देशों के बीच में संबंधों को बढ़ाने में भी विशेष योगदान दिया है। भारत और अमेरिका के बीच में प्रवासी भारतीयों ने एक सेतु के रूप में काम करते हुए, वहां पर अपनी स्थिति को मजबूत बनाया है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी भारत और अमेरिका की आर्थिक समृद्धि और विकास का प्रतीक बन गये हैं। उनकी भूमिका वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान करती है। हाल ही में अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जिस तरह से भारतीय समुदाय ने दोनों ही राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाया। वह राजनीतिक तौर पर प्रवासी भारतीयों की स्थिति को मजबूत बनाते हुए, वहां की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में योगदान सराहनीय है। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका की यात्रा की थी। उन्होंने भी वहां की राजनीति में भारतीय समुदाय को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अमेरिका की यात्रा पर गए। उन्होंने भी भारतीय समुदाय की भूमिका को मजबूत बनाने का काम किया। उन्होंने दोनों ही पक्षों के साथ अपनी निकटता बनाते हुए चुनाव से दूरी बनाए रखी, इससे अमेरिका में भारतीय समुदाय की स्थिति मजबूत हुई है। भारतीय समुदाय वहां दोनों ही पक्षों के साथ खड़ा रहकर अपने हितों का संवर्धन करना सीख गया है। इसको लेकर अमेरिका में बसे प्रवासी भारतीयों की जितनी सराहना की जाए वह कम है।

ढलती सांझें नारकीय जीवन जीने को मजबूर?

बेशक एक अक्तूबर 2024 को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जातें हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों कें नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं।बुजुर्ग ढलती साझें है।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।वृद्धों को आश्रमों में भेजा जा रहा है।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गो ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गो को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे ह। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योंकि बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूसरे बेटे के घर खाना है।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं।ऐसी परिस्थिर्तियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं।बुजुर्गों के साथ बेंटो द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गो की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गो को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। लेकिन दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उडाते हैं।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धेरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं।सरकारों ने बुजुर्गो को पैशन की सुविधा दी है पर वह भी नाकाफी साबित हो रही है।सरकार को सख्ती से कानून लागू करने चाहिए ताकि वृद्धों को उनका हक मिल सके।सरकार व प्रशासन को ऐसे लोगों के विरुद्ध ठोस कारवाई करनी चाहिए तथा बुजुर्गों का अनादर करने वालो को दंडित किया जाए।दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप एक ही बार मिलते है।जब तक बुजुर्गो को उनका सम्मान नहीं मिलेगा ऐसे वृद्ध दिवसों की कोई सार्थकता नहीं होगी। (लेखक – नरेन्द्र भारती /ईएमएस)

शाकाहार से पर्यावरण ही नहीं, विश्व-व्यवस्था भी सुरक्षित

(विश्व शाकाहार दिवस- 1 अक्टूबर 2024)

विश्व शाकाहार दिवस, प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह 1977 में उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समाज का स्थापना दिवस है और 1978 में अंतर्राष्ट्रीय शाकाहारी संघ द्वारा 'शाकाहार से खुशी, करुणा और जीवन-वृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देने' के लिये इसका समर्थन किया था। यह दिवस शाकाहारी जीवन शैली के नैतिक, पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और मानवीय लाभों के बारे में जागरूकता लाता है। दुनिया भर के कई देशों में विशेष रूप से यूरोप में, शाकाहारी जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए कई सार्वजनिक शैक्षिक और उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय अभियान है जो लोगों को अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण-स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मांस का सेवन बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

शाकाहारी खानपान को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण और जीवों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। फल, सब्जियों, दालों और पूर्ण अनाज वाली शाकाहरी डाइट से शरीर को अच्छी मात्रा में फाइबर मिलता है। इससे पाचन अच्छा रहता है और कब्ज जैसी दिक्कतें भी नहीं होती हैं। मांसाहारी डाइट में मीट होता है जिससे बैक्टीरिया के शरीर में प्रवेश करने की संभावना ज्यादा होती है। इससे उलट शाकाहारी डाइट में बैक्टीरिया का खतरा कम होता है। इससे इंसुलिन लेवल बैलेंस होता है और ग्लूकोज लेवल्स भी सामान्य रहते हैं। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि जानवरों के प्रति हिंसा के बर्ताव के प्रति संवेदनशीलता लाना और शाकाहार के प्रति लोगों को प्रेरित करना, जिससे एक सभ्य, अहिंसक और बेहतर समाज का निर्माण हो सके। भगवान महावीर, महात्मा बुद्ध और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने जहां भारत को अहिंसा के जरिए विश्व में अपनी पहचान बनाई, वही उन्होंने अहिंसा एवं शाकाहार जीवन पद्धति के प्रति लोगों को जागरूक किया। विज्ञान भी यह कहता है कि शाकाहार सबसे बेहतर भोजन है जिससे तमाम प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है, वही मांसाहारी भोजन ग्रहण करने से जहां मानसिक विकार पनपते हैं। शाकाहार को सबसे निरापद, उपयुक्त एवं स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन स्वीकार किया गया है।

इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव की स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं। मांसाहार को छोड़ने वालों की संख्या भारत ही नहीं, दुनिया में बढ़ती जा रही हैं। ग्लोबल रिसर्च कंपनी इप्सोस के हाल ही में कराये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अब 63 प्रतिशत भारतीय अपने भोजन में मांसाहार के स्थान पर शाकाहार को अपना रहे हैं। एक अन्य समाचार के अनुसार अमरीका में डेढ़ करोड़ व्यक्ति शाकाहारी हैं। दस वर्ष पूर्व नीदरलैंड की डेढ़ प्रतिशत आबादी शाकाहारी थी जबकि वर्तमान में वहाँ पांच प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। सुप्रसिद्ध गैलप मतगणना के अनुसार इंग्लैंड में प्रति सप्ताह तीन हजार व्यक्ति शाकाहारी बन रहे हैं। वहाँ अब पच्चीस लाख से अधिक व्यक्ति शाकाहारी हैं। बढ़ती बीमारियां के कारण जीवन की कम होती सांसों ने इंसान को शाकाहार अपनाने के लिये विवश किया है।

विश्वभर के डॉक्टरों ने यह साबित कर दिया है कि शाकाहारी भोजन उत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ है। फल-फूल, सब्जी, विभिन्न प्रकार की दालें, बीज एवं दूध से बने पदार्थों आदि से मिलकर बना हुआ संतुलित आहार भोजन में कोई भी जहरीले तत्व नहीं पैदा करता। इसका प्रमुख कारण यह है कि जब कोई जानवर मारा जाता है तो वह मृत-पदार्थ बनता है। यह बात सब्जी के साथ लागू नहीं होती। यदि किसी सब्जी को आधा काट दिया जाए और आधा काटकर जमीन में गाड़ दिया जाए तो वह पुनः सब्जी के पेड़ के रूप में उत्पन्न हो जाएगी। क्यों कि वह एक जीवित पदार्थ है। लेकिन यह बात एक भेड़, मेमने या मुरगे के लिए नहीं कही जा सकती।

अन्य विशिष्ट खोजों के द्वारा यह भी पता चला है कि जब किसी जानवर को मारा जाता है तब वह इतना भयभीत हो जाता है कि भय से उत्पन्न जहरीले तत्व उसके सारे शरीर में फैल जाते हैं और वे जहरीले तत्व मांस के रूप में उन व्यक्तियों के शरीर में पहुँचते हैं, जो उन्हें खाते हैं। हमारा शरीर उन जहरीले तत्वों को पूर्णतया निकालने में सामर्थ्यवान नहीं हैं। नतीजा यह होता है कि उच्च रक्तचाप, दिल व गुरदे आदि की बीमारी मांसाहारियों को जल्दी आक्रांत करती है। प्रकृति ने मनुष्य को स्वभाव से ही शाकाहारी बनाया है। कोई भी श्रमजीवी मांसाहार नहीं करता, चाहे वह घोड़ा हो या ऊँट, बैल हो या हाथी। फिर मनुष्य ही अपने स्वभाव के विपरीत मांसाहार कर संसार भर की बीमारियां और विकृतियां क्यों मोल लेता है? केवल जिव्हा के स्वाद के लिए मांस भक्षण करना हिंसा ही नहीं अपितु परपीड़न की पराकाष्ठा भी है। सुश्रुत संहिता, में लिखा है कि भोजन पकाना यज्ञ की तरह एक पवित्र कार्य है। मांसाहार से तामसी वृतियां पैदा होती हैं जो इंसान को क्रूर और हिंसक बनाता है।

महात्मा गांधी कहते थे कि स्वाद पदार्थ में नहीं, अपितु मनुष्य की अपनी जिव्हा में होता है। नीम की चटनी से जीभ के स्वाद पर नियंत्रण कर लेने वाले गांधी के देश में आज मांसाहार का विरोध तो दूर, उल्टे कुछ क्षेत्रों में मांसाहार को बल दिया जाना, चिन्तनीय है, अहिंसा के उपासक देश के लिए लज्जास्पद भी। मांसाहार को प्रोत्साहित करने एवं उसके प्रचार करने के लिए मांस उद्योग तरह-तरह के हथकण्डे अपनाता रहा है। व्यावसायिक लोगों के द्वारा अपने लाभ के लिये एवं सरकारें भी मांसाहार एवं अण्डे के प्रचार एवं प्रयोग के लिये इस तरह के तथाकथित क्रूर एवं धार्मिक आस्थाओं को कुचलने वाले उपक्रम करती रही है। हमारे यहां अण्डे को 'शाकाहार'' और 'निर्जीव'' के रूप में प्रचारित करके पौल्ट्री उद्योग ने अपना व्यावसायिक जाल फैलाने की कुटिल कोशिश की। लेकिन यह शुभ संवाद है कि अब भारत में शाकाहार को बल देने की शुरूआत हुई है, जिसको जन-जन की जीवनशैली बनाना अहिंसा के पक्षधर प्रत्येक प्रबुद्ध नागरिक का नैतिक दायित्व है तथा मुख सुख के लिए निरीह प्राणियों और अजन्मे अंकुरों की निर्मम हत्या के विरुद्ध जनमानस तैयार करना सबका प्रथम कर्तव्य है।

भारत में शाकाहार को बल देने के प्रयत्न होते रहे हैं, न केवल भारत बल्कि संसार के महान बुद्धिजीवी, उदाहरणार्थ अरस्तू, प्लेटो, लियोनार्दो दविंची, शेक्सपीयर, डारविन, पी. एच. हक्सले, इमर्सन, आइन्सटीन, जार्ज बर्नार्ड शा, एच.जी.वेल्स, सर जूलियन हक्सले, लियो टॉलस्टॉय, शैली, रूसो आदि सभी शाकाहारी ही थे। अमरीका के विश्व विख्यात पोषण विशेषज्ञ डॉ.माइकेल क्लेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्त्रोत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या है, विश्व शांति की और बढ़ती हुई हिंसा को रोकने की। चारों ओर हिंसा एवं आतंकवाद के बादल उमड़ रहे हैं। उन्हें यदि रोका जा सकता हैं तो केवल मनुष्य के स्वभाव को अहिंसा और शाकाहार की ओर प्रवृत्त करने से ही।

मांसाहार महज बीमारियों की वजह नहीं है बल्कि अहिंसा, शांति, पर्यावरण, कृषि, नैतिकता और मानव-मूल्यों के विपरीत है। यह अर्थव्यवस्था के लिए भी नकारात्मक है। पश्चिम में शाकाहारी होना आधुनिकता पर्याय बन गया है। आए दिन लोग खुद को शाकाहारी घोषित कर इस नए चलन के अगुवा बताने में गर्व अनुभव करते देखे जा सकते हैं। पश्चिमी दर्शनों की विचारधारा, जो कभी मांसाहार को सबसे मुफीद मानती थी वही दर्शनों की धारा अब शाकाहार की ओर रुख करने लगी है। यह कई नजरिए से शाकाहार के हक में एक अच्छा संकेत कहा जाना चाहिए। मांसाहार कई समस्याओं का कारण है और इससे कृषि-संस्कृति को जबरदस्त नुकसान पहुंच रहा है। आयुर्वेद में मांसाहार को विपत्तियों का घर कहा गया है। शाकाहार को प्रोत्साहन देने का अर्थ उत्तम स्वास्थ्य के साथ-साथ उन्नत अर्थ-व्यवस्था एवं प्रगतिशील जीवनशैली हैं।(लेखक- ललित गर्ग/ईएमएस)

पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजों के पदक नहीं जीतने से निराशा हुई : मैरी कॉम

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजों के पदक नहीं जीतने से उन्हें निराशा हुई है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता रही मैरी कॉम ने कहा कि मुक्केबाजों का प्रदर्शन इस बार उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। ऐसे में एक पदक विजेता होने के कारण मुझे और भी दुख हुआ। पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छह मुक्केबाजों की टीम भेजी थी पर कोई भी सफल नहीं हो पाया। यहां तक कि गत विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन भी असफल रहीं।

मैरी कॉम ने एक कार्यक्रम में कहा, ओलंपिक प्रदर्शन को देखकर दुख होता है कि हम 2024 ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सके। अब हमें यह देखना होगा कि आगे क्या सुधार करना है और किन गलतियों से बचना है। पेरिस ओलंपिक में लवलीना क्वार्टर फाइनल में हार गई थीं। वहीं पुरुष वर्ग में निशांत देव भी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाये। इसक अलावा दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन , कॉमनवेल्थ चैंपियन अमित पंघाल भी हार गये। मैरी कॉम ने कहा, अब हमें आगामी टूर्नामेंट के लिए अधिक अभ्यास और कड़ी मेहनत पर ध्यान देना होगा।

दीर्घ जीवन यानी वार्धक्य दीर्घ अभिशाप न बने

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गो का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।

वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे।

आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।'

प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा दिया और 'सबके लिए स्वास्थ्य' का अभियान प्रारम्भ किया गया।

एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता हैय यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।' वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरुआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।' वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।

बड़े शहरों में परिवार से उपेक्षित होने पर बूढ़े-बुजुर्गो को 'ओल्ड होम्स' में शरण मिल भी जाती है, पर छोटे कस्बों और गांवों में तो ठुकराने, तरसाने, सताए जाने पर भी आजीवन घुट-घुट कर जीने की मजबूरी होती है। यद्यपि 'ओल्ड होम्स' की स्थिति भी ठीक नहीं है। पहले जहां वृद्धाश्रम में सेवा-भाव प्रधान था, पर आज व्यावसायिकता की चोट में यहां अमीरों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय परिवार के वृद्धों के लिए जीवन का उत्तरार्द्ध पहाड़ बन जाता है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। पर कौन सोचता है, किसे फर्सत है, वृद्धों की फिक्र किसे हैं? भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, आज वृद्धजन अपनो से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। (लेखक – ललित गर्ग/ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

शब्द पहेली - 8145

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का अराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैंदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 8144 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

कानपुर (ईएमएस)। भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कए अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। जडेजा मैच के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले एशियाई क्रिकेटर बन गए। जडेजा ने जैसे ही बांग्लादेश के बल्लेबाज खालिद अहमद को अपनी ही गेंद पर कैच किया उनके 300 विकेट पूरे हो गये। इससे पहले उनके नाम 299 विकेट थे।

जडेजा ने 73 मैचों में 299 विकेट लिए थे। उन्होंने 13 बार 5 विकेट भी लिए हैं जबकि दो बार मैच में 10 विकेट लिए थे। टेस्ट की एक पारी में उनके नाम 13 बार चार विकेट का रिकार्ड है। वहीं जडेजा कुल मिलाकर देखा जाये तो सबसे तेजी से ये आंकड़ा हासिल करने वाले विश्व के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउडर इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैचों में 300 विकेट और 3000 रन पूरे किए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले कप्तान बने हैरी ब्रूक

ब्रिस्टल (ईएमएस)। इंग्लैंड की कप्तान कर रहे युवा हैरी ब्रूक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अब हैरी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान बना गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम था। हैरी ने पांच मैचों में 78.00 की औसत से 312 रन बनाए जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है। इस सीरीज में हैरी का स्ट्राइक रेट 127.86 रहा। पांच मैचों की इस सीरीज के साथ ही अब हैरी ने 20 एकदिवसीय में 39.94 की औसत से 719 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और पांच अर्द्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 106.73 है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक रन विराट ने साल 2019 में 62.00 की औसत से 310 रन बनाए थे जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 107.63 था। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123 रन था। इस सीरीज में विराट ने दो शतक भी थे। इसके अलावा ब्रूक अब कप्तान के रूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक बार लगातार 50 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गये हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कपतान इमरान खान, इंजमाम उल हक और बाबर आजम के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन की भी बराबरी पर ली है

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें एकदिवसीय में इंग्लैंड को 49 रनों से हराकर 3-2 से सीरीज जीती

ब्रिस्टल (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां वर्षा बाधित पांचवें और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में इंग्लैंड को 49 रनों से हराकर 3-2 से सीरीज जीती ली है। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती दो मैच जीते थे पर मेजबान इंग्लैंड ने तीसरे और चौथे मैच में जीत के साथ वापसी के प्रयास किये पर अंतिम एकदिवसीय में जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3-2 से सीरीज पर कब्जा कर लिया।

इंग्लैंड की टीम ने पांचवे एकदिवसीय मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 309 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए जबकि हीं एरोन हार्डी, एडम जांपा और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 21 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 165 रन बना लिए थे तभी बारिश के कारण मैच रोक दिया गया। ऐसे में अंपायर्स ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया को विजयी घोषित कर दिया क्योंकि जब खेल रोका गया था तब तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 2 विकेट पर 116 रन होना चाहिए था पर वह 49 रनों से आगे थी। बारिश रूकने का अंपायर ने लगभग एक घंटे तक इंतजार किया पर जब बारिश और तेज हो गयी तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को विजेता घोषित कर दिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने आठवें ओवर में ही 78 रन बना दिये। हेड 31 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शॉर्ट ने कप्तान स्टीवन स्मिथ के साथ मिलकर पारी को संभाला और आगे बढ़ाया। दोनों ने स्कोर को 118 रन पर पहुंचाया। शॉर्ट ने 58 रन बनाये वहीं स्टीव स्मिथ 36 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि जोश इंग्लिस ने 28 रन बनाये। . इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने ओपनर बेन डकेट के 107, हैरी ब्रुक के 72 और फिल साल्ट के 45 रनों की सहायता से 309 रनों का अच्छा खासा स्केर बनाया।

आयरलैंड ने पहली बार टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हराया

अबू धाबी (ईएमएस)। आयरलैंड क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया है। ये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आयरिश टीम की टी20 में पहली जीत है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने रॉस अडायर की शतकीय पारी की मदद से 6 विकेट पर 195 रन बनाए। रॉस अडायर ने 58 गेंद पर 100 रनों की पारी खेली।

एक समय दक्षिण अफ्रीकी जीत हासिल करती दिख रही थी पर अंत में टीम 9 विकेट पर 185 रन ही बना सकी।

आयरलैंड के खिलाफ इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत के लिए 12 गेंद पर 23 रन बनाने थे और उसके हाथ में पांच विकेट थे पर टीम ने 10 गेंद पर ये विकेट खो दिये जिससे मैच उसके हाथ से निकल गया। रॉस के भाई मार्क अडायर ने 19वें ओवर में 5 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम के सपनों पर पानी फेर दिया। मार्क ने कुल मिलाकर चार विकेट लिए। इस मैच में अफ्रीकी टीम ने अंतिम दो ओवरों में छह में से पांच विकेट खो दिए। इससे आयरलैंड ने जीत दर्ज कर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी। इस मैच में एडेयर भाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा, एक ने जहां टी20 शतक बनाया और दूसरे ने अपनी गेंदबाजी से विरोधी टीम को ध्वस्त कर दिया।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के लिए बांग्लादेश के साथ एकदिवसीय सीरीज खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम नवंबर में बांग्लादेश के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अपनी मेजबानी में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए 6 से 11 नवंबर तक होने वाली तीन मैचों की इस सीरीज का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। एसीबी के अनुसार ये मैच 6, 9 और 11 नवंबर को खेले जाएंगे। एसीबी ने कहा कि ये तीन एकदिवसीय, तीन टी20आई और दो टेस्ट मूल रूप से इस साल जुलाई-अगस्त के लिए अफगानिस्तान के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में शामिल थे।

इससे पहले एसीबी ने यूएई और भारत में तेज गर्मी का हवाला देते हुए पहले होने वाली सीरीज को स्थगित कर दिया था। एसीबी ने कहा, दोनों बोर्ड केवल एकदिवसीय चरण खेलने को लेकर ही सहमत हुए हैं क्योंकि ये अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दोनों टीमों की तैयारियों के लिए अहम होगा।

अफगानिस्तान ने हाल ही में शारजाह में दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से सीरीज में हराया था। वह सभी प्रारूपों की सीरीज खेलने के लिए दिसंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकदिवसीय मैचों में 16 बार मुकाबला हुआ है। जिसमें बांग्लादेश ने 10 मैच जीते हैं वहीं अफगानिस्तान ने छह बार जीत दर्ज की है। बांग्लादेश के साथ अफगानिस्तान की अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज 2023 में हुई थी तब उसने चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में 2-1 से सीरीज जीती थी।

एशियन महिला हॉकी चैंपियन ट्रॉफी नवंबर में पटना में होगी,भारत सहित छह टीमें भाग लेंगी

पटना (ईएमएस)। बिहार में पहली बार एशियन महिला हॉकी चैंपियन ट्रॉफी का आयोजन इसी साल नवंबर में होगा। ये प्रतियोगिता पटना के राजकीय खेल अकादमी-सह-खेल परिसर में 11 से 20 नवंबर तक होगी। जिसके लिए तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसी को लेकर हॉकी इंडिया टीम की उच्च स्तरीय टीम ने आयोजन स्थल का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी भी थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही यातायात नियंत्रण और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी ली। इसके बाद प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिससे टूर्नामेंट का सफल आयोजन तय किया जा सके।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1272 अंक , निफ्टी 368 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1272.07 अंक करीब 1.49 फीसदी नीचे आकर 84,299.78 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 368.10 अंक तकरीबन 1.41 फीसदी नीचे आकर 25,810.85 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी मिडकैप में 0.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। व्यापक सूचकांक भी गिरावट पर बंद हुए। जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया है।

एनालिस्ट्स का मानना है कि शेयर बाजार में गिरावट की मुख्य वजह विदेशी निवेशकों की तरफ से की गई जमकर बिकवाली थी। आज विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली की। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की नीतिगत ब्याज दरों के भाषण को लेकर भी निवेशक सतर्क रुख अपनाते आये हैं।

आज कारोबार के दौरान सबसे बड़ी गिरावट ऑटो शेयरों में रही। निफ्टी ऑटो आज 2.11 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.72 फीसदी गिरा, निफ्टी बैंक 1.59 फीसदी , निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.70 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.42 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.68 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.01 फीसदी में भी भारी गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया के शेयर 1.12 फीसदी और निफ्टी मेटल के शेयर 1.33 फीसदी बढ़े।

वहीं आज निफ्टी केवल 9 शेयर ही ऊपर आये। जेएसडब्यू स्टील का शेयर आज सबसे ज्यादा 2.93 फीसदी की तेजी में रहा। इसके अलावा, एनटीपीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, बीपीसीए, ग्रासिम इंडस्ट्रीज,एशियन पेंट्स और ओएनजीसी के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इसी तरह से सेंसेक्स में जेएसडब्लयू स्टील, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के लाभ वाले शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स 290 अंक की गिरावट के साथ 85,280 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 50 92 अंक की गिरावट के साथ 26,086 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया के शेयर बाजार में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला। चीन ने अधिक प्रोत्साहन का एलान किया है परजापान के नए प्रधान मंत्री द्वारा ब्याज दरों को सामान्य करने के पक्ष में चिंताओं के कारण निक्केई में गिरावट आई।

लेबनान में इजराइल का हमला जारी, आईडीएफ का दावा हमास के लेबनान प्रमुख फतेह शेरिफ ढेर

तेलअवीव(ईएमएस)। इजराइल सेना ने दावा किया है कि हमास में लेबनान शाखा के प्रमुख फतेह शेरिफ को मार गिराया गया है। आईडीएफ ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा- हमास आतंकवादी संगठन में लेबनान शाखा के प्रमुख फतेह शेरिफ को इस्त्राइली वायुसेना के सटीक हमले में मार गिराया गया। इजराइल सेना के अनुसार फतेह शेरिफ लेबनान में हमास की आतंकवादी गतिविधियों को हिजबुल्ला के गुर्गों के साथ मिलकर काम करने के साथ-साथ लेबनान में गुर्गों की भर्ती करने और हथियार हासिल करने के हमास के प्रयासों के लिए जिम्मेदार था।

वहीं आईडीएफ की तरफ से आगे बताया गया कि फतेह शेरिफ एक मान्यता प्राप्त संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी का सदस्य भी था, और लेबनान में संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी शिक्षक संघ का प्रमुख था। आईडीएफ और आईएसए ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ काम करना जारी रखेंगे जो इजराइल राज्य के नागरिकों के लिए खतरा पैदा करता है।

जापान में अक्तूबर को होंगे आम चुनाव

टोक्यो (ईएमएस)। जापान के होने वाले प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने 27 अक्तूबर को देश में आम चुनाव कराने का एलान किया है। इशिबा ने कहा कि वह जैसे ही वह प्रधानमंत्री पद संभालेंगे तो उसके बाद 27 अक्तूबर को आम चुनाव कराने का एलान कर देंगे। शिगेरु इशिबा ने हाल ही में जापान की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव जीता है। जापान में सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष ही देश का प्रधानमंत्री बनता है। शिगेरु इशिबा मंगलवार को मौजूदा पीएम फुमियो किशिदा की जगह जापान के नए प्रधानमंत्री बनेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश पर शिकंजा कसा

कानपुर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेहमान टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कसा दिया है। यशस्वी जायसवाल 72 और केएल राहुल 68 के अर्धशतकों से भारतीय टीम ने चौथे दिन अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रनों पर घोषित कर दी। इस दौरान भारतीय टीम ने सबसे तेज 200 रन का रिकॉर्ड भी बनाया।वहीं इससे पहले मोमिनुल हक की शतकीय पारी की बदौलत बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 233 रन बनाए थे। मोमिनुल ने 194 गेंदों पर 17 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन की पारी खेली। वहीं भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, अश्विन और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए जबकि एक विकेट रविंद्र जडेजा के नाम रहा। भारतीय टीम ने इस मैच में पहली पारी के आधार पर 52 रनों की बढ़त ले ली है। वहीं दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बांग्लादेश ने अपनी दूसरी दूसरी पारी में 26 रन पर ही दो विकेट खो दिये थे। स्टंप्स के समय शादमान इस्लाम सात रन वहीं मोमिनुल शून्य पर खेल रहे थे। भारत के लिए दोनों विकेट आर अश्विन ने लिए। अब केवल एक दिन का खेल बचा है और भारतीय टीम की नजरें मेहमान टीम को जल्द से जल्द आउट करने पर रहेगी। दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश में धुलने के बाद लग रहा था कि यह मैच ड्रॉ होना तय है पर जिस प्रकार भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने खेला उससे भारतीय टीम ने मैच पर पकड़ बना ली है।

अश्विन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को दूसरी पारी में पहला झटका दिया। अश्विन ने जाकिर हसन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। जाकिर ने अपंयार के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया, लेकिन उनका रिव्यू बेकार गया और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। जाकिर 10 रन बनाकर आउट हुए।

भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। उन्होंने 51 गेंद में 12 चौके और दो छक्के की मदद से 72 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान रोहित शर्मा ने 11 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 23 रन बनाए जबकि शुभमन गिल ने 36 गेंद में 29 रन, ऋषभ पंत ने 11 गेंद में नौ रन, विराट कोहली ने 35 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 47 रन बनाए। केएल राहुल ने 43 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने आठ रन, रविचंद्रन अश्विन ने एक रन और आकाश दीप ने 12 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने चार-चार विकेट लिए। वहीं, हसन महमूद को एक विकेट मिला।

2027 तक यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बनेगा : बी.त्यागराजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग मंडल सीआईआई ने कहा कि भारत का कंज्यूमर डयूरेबल बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपये का होगा और 2027 तक यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बनेगा। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सतत वस्तुओं पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन बी.त्यागराजन ने कहा कि हालांकि देश के उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन एक मजबूत परिवेश का निर्माण करना और क्षेत्र में मानकीकरण को अपनाना तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को पहुंचाना भी जरूरी है।

त्यागराजन नेकहा कि अगले दशक में इस क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला में कई अवसरउत्पन्नहोनेकीउम्मीद है। त्यागराजनब्लूस्टारलिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा, तैयार माल के साथ-साथ स्वदेशी घटक परिवेश के विकास से लेकर घरेलू स्तर पर सही तरीके से ध्यान देने तक, भारत के वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की संभावनाएं काफी प्रबल हैं।''

त्यागराजन ने कहा, भारत पहले से ही दुनिया में उपभोक्ता सतत वस्तुओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। इसके बाद 2027 तक इसके चौथा सबसे बड़ा बाजार बनने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2029-30 तक बाजार का अनुमानित आकार पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और भारत को आत्मनिर्भर तथा प्रौद्योगिकी रूप से उन्नत वैश्विक खिलाड़ी बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सहित विभिन्न पहलों के जरिये इस क्षेत्र को सरकार से मिल रहे समर्थन की सराहना भी की।

त्यागराजन ने कहा, हम जो गति देख रहे हैं, वह स्पष्ट संकेत है कि भारत वैश्विक विनिर्माण मंच के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। हम देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 25 प्रतिशत योगदान करने के विनिर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और 8.5 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन के साथ प्रगति निर्विवाद है। मिसाल के तौर पर एयर कंडीशनिंग क्षेत्र के 2040 तक दुनिया में सबसे बड़ा बनने की उम्मीद है। त्यागराजन ने कहा,'' वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को अपनाकर और बढ़ावा देकर हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे उत्पाद दुनिया भर के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं पर खरे उतरें।''

बांग्लादेश में डेंगू बुखार का कहर........ 24 घंटों में 1,221 नए डेंगू मरीज

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में डेंगू बुखार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोत्तरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 1,221 नए डेंगू मरीज सामने आए हैं, जो इस साल अब तक एक दिन में दर्ज होने वाले सबसे ज्यादा मामले हैं। इस अवधि में डेंगू के कारण आठ लोगों की मौत हो गई, जिससे इस साल कुल मृतकों की संख्या 158 हो गई है।

मंत्रालय ने बताया कि इन नए मामलों के साथ, बांग्लादेश में डेंगू से प्रभावित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 29,786 हो गई है। बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप मानसून के महीनों जून से सितंबर तक रहता है, और देश को डेंगू के लिहाज से उच्च जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, डेंगू के बढ़ते मामलों को देखकर बांग्लादेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मच्छरों के प्रजनन को रोकने और लार्वा रोधी अभियान तेज कर दिए हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलती है, जो दिन और रात दोनों समय सक्रिय रहते हैं।

डेंगू बुखार के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, और त्वचा पर लाल दाने शामिल होते हैं। ये लक्षण संक्रमण के 3 से 14 दिन बाद दिखाई देते हैं और आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर ठीक हो जाते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों में मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए साफ-सफाई रखें, शरीर को ढक कर रखें, और मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध को रोकना होगा, नेतन्याहू से करेंगे बातः बाइडन

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करेंगे और उनका मानना है कि पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध से बचना चाहिए। बाइडन ने कहा कि ऐसा होना ही चाहिए। हमें इसे रोकना ही होगा। बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में दर्जनों आम नागरिक मारे गए हैं।

उन्होंने यह नहीं बताया कि वह नेतन्याहू से कब बात करेंगे। इजराइल ने चरपंथी समूह हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर कई हमले किए हैं और ऐसे ही हमले में हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह भी मारा गया है। अमेरिका नसरल्लाह की मौत को हिज्बुल्लाह के लिए एक बड़ा झटका मानता है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है, क्योंकि उसने हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने की कोशिश की है, जो हिज्बुल्लाह की तरह ईरान द्वारा समर्थित है, ताकि यह एक व्यापक युद्ध में न बदल सके। क्योंकि यह युद्ध फैला तो बड़ी तबाही मचेगी।

जंग के बीच ताकतवर हुए नेतन्याहू.......कट्टर प्रतिद्वंद्वी को मंत्रिमंडल में शामिल किया

यरूशलम (ईएमएस)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने राजनीतिक गठबंधन को मजबूत कर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। यह कदम तब उठाया गया है जब इजराइल की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह के साथ युद्ध तेज हो गया है। सार, जो कभी नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के उभरते सितारे थे, नेतन्याहू के खिलाफ राजनीतिक मोर्चा खोलने के बाद एक कड़े आलोचक बने थे। चार साल पहले लिकुड पार्टी छोड़ने के बाद, उन्होंने अपना अलग दल बनाया फिर सरकार गिराने की कोशिशें कीं।

गठबंधन का विस्तार करते हुए, नेतन्याहू ने सार को बिना किसी विभाग के मंत्री बनाया है और उन्हें सुरक्षा कैबिनेट में भी शामिल किया है, जो पश्चिम एशिया में इजराइल के शत्रुओं के खिलाफ चल रहे युद्ध की निगरानी कर रहा है। सार को उम्मीद थी कि वह रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की जगह ले सकते हैं, लेकिन हिजबुल्लाह के साथ चल रही लड़ाई के कारण गैलेंट अपने पद पर बने रहने वाले है।

नेतन्याहू और सार ने अपने मतभेदों को दरकिनार करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र की भलाई के लिए साथ काम करने का फैसला किया है। सार ने हाल के महीनों में हमास के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी और ईरान के प्रति सख्त रवैया अपनाने की भी पैरवी की थी। सार के मंत्रिमंडल में शामिल होने से नेतन्याहू के गठबंधन के पास अब 120 सीटों वाली संसद में 68 सीटें हो गई हैं, जिससे उनकी सरकार और अधिक मजबूत हो गई है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बीच, इजराइल की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह के साथ जारी संघर्ष और हमास के खिलाफ जंग ने नेतन्याहू की सरकार को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। वहीं, ईरान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच, सार और नेतन्याहू का गठबंधन देश के लिए एक मजबूत रक्षा नीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक अक्टूबर को होगा अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला!

मुंबई (ईएमएस)। कभी कर्ज की वजह से चर्चा में रहने वाले कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब फिरने लगे हैं। बताय जा रहा है ?कि अनिल अंबानी की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपना कर्ज कम कर दिया है। इससे इन दोनों कंपनियों के शेयर रॉकेट बन गए हैं। अनिल अंबानी के लिए एक अक्टूबर का दिन बेहद खास होने वाला है। इस दिन इनकी कंपनी को लेकर कई फैसले होंगे। ऐसे में एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला होगा। एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी। इस बैठक में कंपनी से जुड़े कई फैसले लिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में बोर्ड लॉन्ग टर्म तक फाइनेंशियल रिसॉर्सेज जुटाने पर विचार करेगा और उन्हें मंजूरी देगा। ऐसा होता है तो यह कंपनी के लिए अच्छा कदम होगा। बता दें कि 19 सितंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद कंपनी अब डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट से पूंजी जुटाने पर फोकस कर रही है। बताया जा रहा है कंपनी बैठक में फंड जुटाने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना सकती है। इसके लिए इक्विटी शेयरों, इक्विटी-लिंक्ड सिक्योरिटीज या इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से फंड जुटा सकती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने पिछले हफ्ते बताया था कि उनके बोर्ड ने लगभग 12.56 करोड़ इक्विटी शेयरों के तरजीही इश्यू के माध्यम से 3,014 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। रिलायंस पावर ने स्टॉक एक्सचेंज में अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में 3872.04 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को चुकाने की जानकारी दी थी। अनिल अंबानी की दोनों कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर तेजी से भाग रहे हैं। रिलायंस पावर ने पिछले एक महीने में करीब 52 फीसदी का रिटर्न दिया है।

हीरे को पछाड़कर नंबर वन पर पहुंचा स्मार्टफोन का निर्यात

- अमेरिका भेजे जाने में आई तेजी, पीएलआई योजना की अहम भूमिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश से स्मार्टफोन का निर्यात गैर-औद्योगिक हीरे को पछाड़कर शीर्ष पायदान पर पहुंच गया। निर्यात पर वाणिज्य विभाग के ताजा आंकड़ों के आधार पर वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में स्मार्टफोन का निर्यात 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो हीरे के मुकाबले काफी अधिक है। इस दौरान हीरे का निर्यात 1.44 अरब डॉलर रहा। स्मार्टफोन के कुल निर्यात में आईफोन का योगदान सर्वाधिक रहा। जहां तक स्मार्टफोन का सवाल है तो वह पहली बार शीर्ष पायदान पर वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में पहुंचा था। उस दौरान अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 1.42 अरब डॉलर पर हीरे के मुकाबले आगे निकल गया था। वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में हीरे का निर्यात 1.3 अरब डॉलर रहा था। भारत से अमेरिका को निर्यात हुई वस्तुओं की सूची में स्मार्टफोन तेजी से शीर्ष पायदान पर पहुंचा है क्योंकि 2024 की सितंबर तिमाही में वह चौथे पायदान पर रहा था। आईफोन के कारण स्मार्टफोन के निर्यात में तेजी कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मोबाइल उपकरणों के लिए सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) की सफलता बताता है। पीएलआई योजना की घोषणा होने से पहले और वित्त वर्ष 2020 में ऐपल द्वारा आईफोन का निर्यात शुरू करने से पहले भारत से स्मार्टफोन का निर्यात केवल 1.6 अरब डॉलर का रहा था। इसमें से केवल 3 फीसदी यानी 50 लाख डॉलर के स्मार्टफोन ही वित्त वर्ष 2019 में अमेरिका को निर्यात किए गए थे। पीएलआई योजना के दूसरे साल यानी वित्त वर्ष 2023 तक भारत से स्मार्टफोन का कुल निर्यात 11.1 अरब डॉलर रहा जिसमें से ऐपल ने 5 अरब डॉलर से अधिक कीमत के आईफोन का निर्यात किया। इसमें से 20 फीसदी स्मार्टफोन अमेरिका को निर्यात किए गए और उसमें मुख्य तौर पर आईफोन शामिल था। 2024 तक आईफोन का निर्यात 10 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो भारत से निर्यातित कुल 15.6 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का 66 फीसदी था। इस दौरान भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 158 फीसदी बढ़कर 5.56 अरब डॉलर हो गया जो वित्त वर्ष 2024 में हीरे के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बन गया। भारत से ऐपल के कुल आईफोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी थी।

नसरल्लाह की मौत के बाद मध्य पूर्व में तनाव, रुसी पीएम पहुंचे ईरान

-इजराइल के खिलाफ कार्रवाई करने पर करेंगे चर्चा, ईरान के साथ रुस भी सक्रिय

तेहरान,(ईएमएस)। हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। इजरायल की इस कार्रवाई ने न केवल लेबनान और हिजबुल्लाह समर्थकों को आक्रोशित कर दिया है। नसरल्लाह की मौत के बाद ईरान से इजरायल के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवाजें बुलंद हो रही हैं। इस घटना ने इजरायल और ईरान के बीच चल रहे तनाव को और भड़काने का काम किया है, और अब दोनों देशों के बीच संभावित संघर्ष की आशंका व्यक्त की जा रही है।

इजरायल इससे पहले हमास चीफ इस्माइल हानिया की भी हत्या कर चुका है, जिसने ईरान समर्थित समूहों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। इस क्रम में नसरल्लाह की हत्या ने ईरान की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि हिजबुल्लाह को ईरान का प्रमुख सहयोगी माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना से ईरान की प्रतिष्ठा को भी धक्का लगा है और अब वह चुप नहीं बैठेगा। रूस भी इस घटना के बाद सक्रिय हो गया है। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन सोमवार को ईरान जा रहे हैं। जहां वे ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेस्किअन से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में इजरायल के खिलाफ संभावित जवाबी कार्रवाई पर चर्चा होगी। रूस ने नसरल्लाह की हत्या की कड़ी निंदा की है और खुलकर ईरान के समर्थन में खड़ा हो गया है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर इजरायल और ईरान के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इससे पूरे मध्य पूर्व में हिंसा भड़कने की संभावना है। इससे अमेरिका और रूस भी आमने-सामने आ सकते हैं, क्योंकि अमेरिका इजरायल का प्रमुख सहयोगी है, जबकि रूस ईरान के पक्ष में है। इस संभावित संघर्ष का असर वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है, जहां ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर संकट पैदा हो सकता है। फिलहाल, क्षेत्र में सभी की नजरें ईरान पर टिकी हुई हैं। क्या ईरान इजरायल से बदला लेगा, और अगर लेगा तो यह कब और कैसे। वहीं, मध्य पूर्व में अस्थिरता और तनाव बढ़ने की पूरी संभावना है।

भारतीय शेयर बाजार को चीन के शेयर बाजार से चुनौती

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के शेयर बाजारों में बड़ी तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। पिछले सप्ताह चीन की सरकार ने ब्याज दरों में कटौती एवं अन्य आर्थिक फैसले लिए हैं। उसके बाद से ही चीन के शेयर बाजार में भारी तेजी देखने को मिली। 16 साल के लंबे अंतराल के बाद 15.5 फ़ीसदी की वृद्धि शेयर बाजार में देखने को मिली है। इस वृद्धि के कारण चीन के शेयर बाजार में निवेशकों कोएक ही झटके में 2511 करोड रुपए का लाभ हुआ है। भारत के शेयर बाजार में जो तेजी देखने को मिल रही थी। उसको देखते हुए अब चीन मुकाबले में उतरा है। चीन के शेयर बाजार की तेजी भारतीय शेयर बाजार को एक नई चुनौती से गुजरना पड़ेगा। चीन ने जो फैसले लिए हैं। उससे आगे चलकर भारतीय शेयर बाजार को तगड़ा झटका लग सकता है।

हिजबुल्लाह का अगला प्रमुख होगा और खूंखार

गाजा,(ईएमएस)। इजराइल के हालिया हवाई हमले में हिजबुल्लाह के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं, जिसमें संगठन के चीफ हसन नसरल्लाह का नाम भी शामिल है। इस घटना के बाद हिजबुल्लाह के नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। बताया जा रहा है कि हिजबुल्लाह की कमान जिसको दी जाने की संभावना हे, वह और भी खूंखार है। सूत्रों की मानें तो हिजबुल्लाह की एग्जिक्यूटिव काउंसिल के प्रमुख हाशेम साफीद्दीन नसरल्लाह की जगह ले सकते हैं।

हाशेम साफीद्दीन का जन्म 1964 में दक्षिणी लेबनान में हुआ था और वह एक प्रमुख शिया मौलवी के साथ-साथ हिजबुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं। कहा जाता है कि वह खुद को पैगंबर मोहम्मद का वंशज बताते हैं। 2017 में, अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने उन्हें आतंकवादी घोषित किया था। साफीद्दीन ने इजरायल, अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ अपने बयानों में कड़ा रुख अपनाया है, और वह विशेष रूप से फिलिस्तीन के दुश्मनों को समाप्त करने की कोशिश में जुटे हैं।

नए नेता की नियुक्ति और इजराइल के लगातार हमले क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को और अधिक जटिल बना सकते हैं। इस स्थिति में सभी की नजरें हिजबुल्लाह के अगले कदमों और इजराइल की संभावित सैन्य कार्रवाई पर टिकी रहने वाली है। आने वाले समय में यह देखना होगा कि यह घटनाक्रम क्षेत्रीय स्थिरता को किस प्रकार प्रभावित करता है।

कई फीट गहरे गड्ढे में दबा नसरल्लाह का शव निकाला बाहर

बेरूत,(ईएमएस)। इजरायली सेना लेबनान में लगातार हवाई हमले कर रही है। बीते दिनों हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद संगठन की कमर टूट गई। इजरायल ने बंकर में छिपे नसरल्लाह को निशाना बनाकर कई मिसाइलों से अटैक किया था।

अब हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह का शव बेरूत के दक्षिण में दहिया से बरामद कर लिया है। शव निकालने का एक वीडियो सामने आया है। नसरल्लाह के शव का वीडियो लेबनान की एक टीवी न्यूज चैनल ने जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' हैंडल पर जारी इस वीडियो में नसरल्लाह के शव को निकालते हुए दिखाया गया है। कुछ सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कई फीट के गहरे गड्ढे से हिजबुल्लाह चीफ की बॉडी को निकाला जा रहा है।

बाप रे बाप.......इतना पैसा खर्च होने के बाद धरती पर लौटेगी सुनीता विलियम्स

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से सुरक्षित धरती पर लाने के लिए क्रू-9 मिशन लांच किया है। मिशन के तहत एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का फाल्कन 9 रॉकेट और ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भेजा गया है। इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के साथ नासा के एस्ट्रोनॉट निक हेग और रूसी एस्ट्रोनॉट एलेक्जेंडर गोरबुनोव भी शामिल हैं। इस मिशन में कुल चार सीटें हैं, जिनमें से दो सीटें सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर के लिए खाली छोड़ी गई हैं।

फाल्कन 9 रॉकेट, इस स्पेसएक्स ने डिजाइन किया है, दुनिया का पहला पुनः उपयोग योग्य ऑर्बिट क्लास रॉकेट है,जोअंतरिक्षयात्राको किफायती बनाता है। यह 70 मीटर लंबा और 549,054 किलो वजनी रॉकेट, पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में 22,800 किलो तक वजन ले जा सकता है। वहीं, ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट,जोएस्ट्रोनॉट्स को आईएस एस तक लाने और ले जाने के लिए जानाजाता है, दुनिया का पहला प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट है जो कार्गो भी वापस ला सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2022 से पहले फाल्कन 9 रॉकेट की लॉन्चिंग में करीब 62 मिलियन डॉलर का खर्च आता था। हालांकि मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने साल 2022 में यह रकम बढ़ाकर 67 मिलियन डॉलर कर दिया। रुपये में रकम करीब पौने छह अरब के आसपास बैठती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर एस्ट्रोनॉट फाल्कन 9 के जरिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाना या वापस आना चाहता है, तब उसको पूरे रॉकेट का खर्च उठाना पड़ता है। सीट के हिसाब से भी बुकिंग की सुविधा है। रिपोर्ट के मुकाबिक स्पेस एक्स और रॉकेट लैब जैसी प्राइवेट कंपनियों के चलते अंतरिक्ष में आना-जाना पहले के मुकाबला बहुत सस्ता होगया है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका ने जब 16 जुलाई 1969 को अपोलो 11 मिशन लॉन्च किया था, तब इस पर कुल 185 मिलियन डॉलर खर्च हुए थे। आज के हिसाब से यह रकम 1.62 बिलियन डॉलर के आसपास बैठती है।उस जमाने के रॉकेट आज के मुकाबले बहुत कम पेलोड ले जाने में सक्षम थे।

चावल निर्यात में छूट से सभी को होगा फायदा! केंद्र सरकार ने एक तीर से किए दो शिकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाकर उसकी जगह 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगा दिया। कारोबारी सूत्रों के अनुसार इससे केंद्र ने एक तीर से दो शिकार किए। केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उपयोग होने वाले सस्ते चावल का भारत से निर्यात नहीं हो और दूसरे, चावल की प्रीमियम किस्मों 'सोना मसूरी' और 'गोविंद भोग' के निर्यात में कोई अड़चन भी न रहे। सरकार ने इसके एक दिन पहले गैर बासमती चावल निर्यात पर कर कम किया और फिर न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया। गैर बासमती चावल की सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली किस्में 'गोविंद भोग' और 'सोना मसूरी' हैं और इनका वैश्विक बाजार में मूल्य 600 डॉलर प्रति टन से अधिक है। सरकार ने उसना चावल पर निर्यात शुल्क 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया। बाजार के सूत्रों के अनुसार इस फैसले से भारत की चावल की किस्में थाईलैंड को चुनौती दे सकेंगी। थाईलैंड के 100 फीसदी प्रीमियम उसना चावल का मूल्य 4 सितंबर के 604 डॉलर प्रति टन से गिरकर 25 सितंबर को 583 डॉलर प्रति टन आ गया। इस तरह चावल की इस किस्म के दाम में एक माह के दौरान करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई। भारत का उसना चावल 20 फीसदी निर्यात कर के साथ 570-600 डॉलर प्रति टन पर बेचा जा रहा था। अब निर्यात कर घटने से थाईलैंड के मूल्य के बराबर आ जाएगा। कारोबारियों के अनुसार गैर बासमती चावल की श्रेणियां टूटा चावल, उसना चावल और सफेद (अरवा) या कच्चा चावल हैं। वित्त वर्ष 23 में कई देश भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के लिए अच्छा रहा। भारत के चावल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान है। भारत का कुल निर्यात करीब 2.23 करोड़ टन था। इसमें बासमती चावल 45.5 लाख टन और गैर बासमती चावल का निर्यात 177.8 लाख टन था। गैर बासमती श्रेणी में टुकड़ा चावल का निर्यात करीब 30-40 लाख टन था और शेष चावल में उसना व सफेद चावल का बराबर अनुपात था। हालांकि वित्त वर्ष 2023-24 में चावल का कुल निर्यात गिरकर 1.63 करोड़ टन रह गया और कुल चावल निर्यात में करीब 27 फीसदी की गिरावट आई। इस अवधि में सरकारी प्रतिबंधों के कारण गैर बासमती खंड अधिक प्रभावित हुआ था।

फिलीपींस में तूफान क्रैथॉन ने मचाई तबाही, भारी नुकसान की आशंका

-ताइवान की ओर जाएगा आज

मनीला,(ईएमएस)। दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस में ताकतवर तूफान क्रैथॉन के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस तूफान ने 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ अपना कहर बरपाया, जिससे हालात बिगड़ गए हैं।

तूफान को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी के बाद, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। समुद्र से नौकाओं को हटाने का काम किया गया। स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। तूफान क्रैथॉन के प्रभाव से कैगायन और बटानेस प्रांत के बालिंटैंग द्वीप के तटीय क्षेत्रों में 175 से 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और मंगलवार को ताइवान की ओर मुड़ते ही यह एक सुपर टाइफून में तब्दील हो सकता है।

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बटानेस के तटीय गांवों, बाबुयान द्वीप और कैगायन प्रांत में जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले तूफानी लहरों के मध्यम से उच्च जोखिम की चेतावनी जारी की है। चेतावनी जारी करते हुए कहा गया कि तेज और भयानक हवाएं छतों को उड़ा सकती हैं, पेड़ों को गिराते हुए आगे बढ़ सकती हैं, खेती को नुकसान पहुंचा सकती हैं और समुद्र में ऊंची लहरें भी उठा सकती हैं।

कगायन प्रांत में बिजली गुल

इस तूफान के कारण कगायन प्रांत में बिजली गुल हो गई है और सैकड़ों ग्रामीणों को समुद्री तटीय और बाढ़-ग्रस्त इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया। सुरक्षा के मद्देनजर, उत्तरी प्रांतों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने तूफान से प्रभावित उत्तरी शहरों में समुद्री यात्रा पर भी रोक लगा दी है।

हर साल आते हैं यहां तूफान

फिलीपींस हर साल लगभग 20 तूफानों का सामना करता है। यह द्वीपसमूह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जो कि ज्वालामुखी विस्फोट और भूकंपों का केंद्र है। यही वजह है कि यह देश दुनिया के सबसे ज्यादा आपदा प्रभावित देशों में से एक बना हुआ है। फिलहाल, तूफान क्रैथॉन के प्रभाव और उससे होने वाले संभावित नुकसान को लेकर स्थानीय लोग चिंतित हैं, और सरकार द्वारा सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है।

1.30 करोड़ के जाली नोट जब्त, 500 की नोट पर गांधीजी के बजाए अनुपम खेर की तस्वीर

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें पुलिस ने रु. 500 के दर के हजारों नोट जब्त किए हैं चौंकानेवाली बात यह है कि बरामद किए गए नोट पर गांधीजी के बजाय बोलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की तस्वीर हैं जिससे अनुमान लगाया जा सकता है कि धोखाधड़ी के लिए लंबी प्लानिंग की गई हैं दरअसल अहमदाबाद पुलिस ने एक व्यापारी की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर कार्यवाही की हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद बुलियन व्यापारी के साथ रु. 1.60 करोड़ के सोने का सौदा हुआ थीं रु. 1.60 करोड़ में से रु. 1.30 करोड़ से भरा बैग व्यापारी को दो शख्स दे गए थें व्यापारी ने रुपयों से भरे बैग को जब खोला गया तो उसमें जाली नोट मिर्ले रु. 500 के दर नोट पर गांधीजी के बजाय अनुपम खेर की तस्वीर थीं इतना ही नहीं 1.30 करोड़ कीमत के इन नोट पर ''रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया'' के बजाए ''रिसोल बैंक ऑफ इंडिया'' लिखा हैं इतना नहीं इन नोट के बंडल पर लगे स्टीकर पर ''एसबीआई'' नहीं बल्कि ''स्टार्ट बैंक ऑफ इंडिया'' लिखा हैं व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने रु. 1.30 करोड़ की ठगी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं इन जाली नोट के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं अनुपम खेर ने घटना को लेकर सोशल मीडिया पर जाली नोट की तस्वीर साझा की हैं साथ ही लिखा ''लो जी कर लो बात! पांच सौ के नोट पर गांधी जी की फोटो की जगह मेरी फोटो???? कुछ भी हो सकता हैं''

गुजरात में नवरात्रि के दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं, 2 अक्टूबर से मानसून की बिदाई

अहमदाबाद (ईएमएस) 3 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही शारदीय नवरात्रि से पहले बारिश को लेकर बड़ी खबर सामने आई हैं खासकर गरबा आयोजकों और खेलने वालों को खुश कर देनेवाली यह खबर हैं मौसम की मौजूदा स्थिति और इसके जानकार के मुताबिक 2 अक्टूबर से मानसून की बिदाई होगी, जिससे गुजरात में बारिश की कोई संभावना नहीं हैं

हांलाकि पोस्ट मानसून एक्टिविटि के चलते राज्य में छुटपुट बारिश हो सकती हैं लेकिन भारी बारिश की कोई गुंजाईश नहीं हैं गुजरात में पिछले 3 दिनों से हो रही बारिश कारण बंगाल की खाड़ी में बने सायक्लोनिक सिस्टम हैं इस कारण गुजरात में तीन दिनों से गरज के साथ बारिश हो रही हैं संभावना है कि अक्टूबर में मानसून की बिदाई होगी और बारिश पूरी तरह से थम जाएगीं फिलहाल गुजरात में बारिश लाने वाली सिस्टम के सक्रिय होने की कोई गुंजाई नहीं हैं फिलहाल जिस सिस्टम के कारण बारिश हो रही है वह सायक्लोनिक सर्क्युलेशन मध्य प्रदेश पर है और उसके उत्तर भारत की ओर बढ़ते ही गुजरात में बारिश बिदाई लेर्गी गुजरात के ज्यादातर हिस्सों में आज से बारिश का जोर घट जाएगी 2 अक्टूबर के बाद गुजरात के दक्षिण जिले वलसाड, नवसारी और डांग में पोस्ट मानसून एक्टिविटी के तहत बारिश हो सकती हैं

जबकि 2 अक्टूबर के बाद गुजरात के अन्य हिस्सों में बारिश की कोई गुंजाईश नहीं हैं 1 और 2 अक्टूबर को वलसाड और नवसारी में पोस्ट मानसून एक्टिविटी के तहत बारिश हो सकती हैं बता दें कि गुजरात में अब तक सीजन की 134.44 बारिश हो चुकी हैं जिसमें सबसे ज्यादा कच्छ मंडल में सीजन की 184.86 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 142.12 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 138.85 प्रतिशत, मध्य गुजरात में 130.31 प्रतिशत और उत्तर गुजरात में सीजन की अब तक 113.07 प्रतिशत बारिश हो चुकी हैं

राज्य सरकार मूंगफली, मूंग, समेत फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी 11 नवंबर से करेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने समर्थन मूल्य पर खरीफ फसलों को खरीदने की योजना बनाई है ताकि राज्य के किसानों को उनकी उपज के लिए समर्थन मूल्य के साथ वित्तीय सुरक्षा मिल सके। इस वर्ष राज्य में मूंगफली के बम्पर उत्पादन को देखते हुए राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार के सहयोग से केन्द्रीय नोडल एजेंसी के माध्यम से समर्थन मूल्य पर खरीद का खास आयोजन किया है। इसकी जानकारी देते हुए राज्य के कृषि मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के प्रधानमंत्री अन्नदाता आय सुरक्षा अभियान के तहत पीएसएस 11 नवंबर 2024 से गुजरात में मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की फसल की खरीद शुरू करने का अहम फैसला लिया गया हैं राज्य में खरीफ फसलों के कुल क्षेत्रफल एवं उत्पादन को ध्यान में रखते हुए समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु 160 से अधिक खरीदी केन्द्र चिन्हित किये गये हैं।

इन केंद्रों से 90 दिनों तक समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदारी की जाएगी। किसानों से समर्थन कीमतों पर खरीफ फसलें बेचने का अनुरोध करते हुए राघवजी पटेल ने कहा कि इसके लिए किसानों को 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2024 तक ई-ग्राम केंद्रों पर वीसीई के माध्यम से ई-समृद्धि पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा राज्य सरकार द्वारा किसानों से मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की पर्याप्त खरीद की जाएगी और इसके लिए राज्य सरकार ने अग्रिम आयोजन किया हैं राघवजी पटेल ने कहा कि भारत सरकार ने चालू वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की फसल बोने से पहले ही कर दी हैं जिसके अनुसार मूंगफली रु. 6783 रुपये प्रति क्विंटल, मूंग 8682 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द 7400 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन 4,892 रुपये प्रति क्विंटल रुपये की कीमत पर खरीदा जाएगा।

भारी बारिश से खड़ी फसलें हुईं चौपट, मेघा ने किसानों के हाथ से निवाला छीन लिया

बनासकांठा (ईएमएस) गुजरात में इस वर्ष मानसून की 100 फीसदी से ज्यादा बारिश हुई हैं भारी बारिश और बाढ़ के कारण हजारों करोड़ का नुकसान हुआ हैं बारिश के शुरुआती दौर में उत्तर गुजरात राज्य के अन्य हिस्सों के मुकाबले काफी पीछे थीं लेकिन बाद में हाल के दो दिनों के दौरान हुई बारिश से कृषि फसलों को भारी नुकसान हुआ हैं यह कहना गलत नहीं होगा कि बारिश किसानों के हाथ से निवाला छीन लियीं खासकर बनासकांठा जिले में मूंगफली, ऊड़द, ज्वारा, बाजरा, कपास समेत फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की वाव, सूईगाम, धानेरा, पाटणवाडा, डीसा, पालनपुर, अमीरगढ़, कांकरेज इत्यादि में भारी बारिश होने से खेतों में खड़ी फसलें चौपट हो गईं कटाई के बाद खेतों में पड़ी बाजरा और ज्वार की फसलें पानी में डूबने से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ हैं प्रभावित किसानों की जल्द से जल्द सर्वे करवाकर मुआवजा देने की मांग की हैं

नवरात्रि से पहले अहमदाबाद पुलिस ने 5 शख्सों को तमंचे और कारतूसों के साथ पकड़ा

अहमदाबाद (ईएमएस) आगामी नवरात्रि और दिवाली त्योहारों से पहले बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 शख्सों को अवैध हथियार और कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लियीं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद पुलिस आगामी नवरात्रि और दिवाली त्योहारों से पहले कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार एक्शन में हैं इसके अंतर्गत अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम ने नवरात्रि से पहले बड़ी कार्रवाई की हैं अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीमों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलायीं इस कार्रवाई के तहत कुल 5 लोगों को अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया हैं क्राइम ब्रांच ने पिस्टल, रिवॉल्वर, कारतूस और देशी रिवॉल्वर समेत सामान जब्त कर लिया हैं प्रारंभिक जांच में पता चला कि 5 देशी पिस्तौल इडर से लाए गए थे। इस कार्यवाही में क्राइम ब्रांच ने 9 हथियार और 5 कारतूस बरामद किए हैं

राजकोट में बड़ा हादसा, बेकरी में लगी भीषण आग,

राजकोट,30 सितंबर

राजकोट में जलाराम बेकरी में गैस पाइपलाइन के रिसाव के कारण विस्फोट की घटना हुई है, घटना को लेकर लोगों की भीड़ जमा हो गई है। घटना में दो लोग घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, जबकि घटना से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है।

राजकोट शहर के जलाराम बेकरी में हुए विस्फोट में दो लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी घटना में कोई बड़ा नुकसान न हो इसके लिए अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है.

मुख्यमंत्री ने राज्य के सँकरे पुलों-ढाँचों को चौड़ा करने के लिए 245 करोड़ रुपए मंजूर किए

- 20 मार्गों पर स्थित 41 सँकरे पुलों-ढाँचों के चौड़ीकरण से यातायात जाम की समस्या का निवारण होगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सड़क मार्गों पर स्थित सँकरे पुलों-ढाँचों (स्ट्रक्चर्स) को चौड़ा कर यातायात जाम की समस्या से मुक्ति प्रदान करने का महत्वपूर्ण जनोन्मुखी निर्णय किया है। इस निर्णय के अनुसार मुख्यमंत्री ने राज्य के लगभग 20 सड़क मार्गों पर अपेक्षाकृत सँकरे 41 मौजूदा पुलों तथा ढाँचों को चौड़ा करने के कार्य के लिए 245.30 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। सड़क एवं भवन विभाग अब इन पुलों-ढाँचों को उन्हें जोड़ने वाले मार्गों की चौड़ाई के अनुरूप चौड़ा करने का कार्य शुरू करेगा। राज्य में कुल लगभग 41 पुल या ढाँचे ऐसे हैं, जिनकी चौड़ाई उन्हें जोड़ने वाले मूल मार्ग की चौड़ाई की तुलना में सँकरी है।

इसके परिणामस्वरूप पुलों-ढाँचों पर यातायात जाम होने की समस्या पैदा होती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह विषय ध्यान में आने पर लोगों को यातायात समस्या से निजात दिलाने तथा तेज व सुरक्षित यातायात के उद्देश्य से 245.30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिससे चौड़े मार्गों को जोड़ने वाले सँकरे पुलों-ढाँचों के मार्गों को चौड़ा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री के इस जनहितकारी निर्णय से आगामी समय में राज्य के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क में नागरिकों को अधिक सुविधाजनक नेटवर्क उपलब्ध होगा और लोगों की ईज ऑफ लिविंग में वृद्धि होगी।

गुजरात पक्षी प्रेमियों के लिए भी स्वर्ग है, राज्य के इन स्थानों पर विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की आबादी सबसे अधिक है

अहमदाबाद,30 सितंबर

राज्य में कई स्थान हैं जहां विभिन्न प्रकार और प्रजाति के पक्षी पाए जाते हैं। पक्षी प्रेमी फोटोग्राफी के लिए ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। कई प्रवासी पक्षी विशेष रूप से कुछ मौसमों के दौरान आते हैं और कुछ महीनों तक रहते हैं और फिर अपने क्षेत्र या देश में चले जाते हैं। ऐसे पक्षी किस देश या राज्य में अधिक आते हैं और कहां रहते हैं, इसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की जाती है। इसे पक्षी विविधता रिपोर्ट कहा जाता है। वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में गुजरात पक्षियों के लिए भी स्वर्ग बनकर उभरा है।

राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलोभाई बेरा ने राज्य के लिए पक्षी विविधता रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने कहा कि 'गुजरात वन्यजीव संरक्षण और संरक्षण सहित कई क्षेत्रों में अग्रणी रहा है, लगभग 18 से 20 लाख विभिन्न प्रजातियों के पक्षी गुजरात में रहते हैं या निवास करते हैं।' वैसे तो राज्य में हर साल विभिन्न प्रकार के पक्षी देखने को मिलते हैं, लेकिन देवभूमि द्वारका में सबसे अधिक 456 प्रजातियों की पक्षी विविधता है।जबकि कच्छजिलेमें161 प्रजातियों के 4.56 लाख पक्षी देखे गए हैं. इसके चलते गुजरात ने पक्षियों के संरक्षण, क्षेत्रफल और संरक्षण के क्षेत्र में अनूठी छाप छोड़ी है।

गुजरात तट पर स्थानीय और प्रवासी पक्षी पाए जाते हैं, जामनगर की जलवायु मार्श फ्लेमिंगो, पेलिकन और क्रेन को पसंद है, जामनगर में 221 प्रजातियों के 4 लाख से अधिक पक्षी पाए जाते हैं। जबकि अहमदाबाद में भी 250 से अधिक प्रजातियों के 3.65 लाख से अधिक पक्षी हैं। पक्षी विविधता रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार, नाडा बैट वेटलैंड कॉम्प्लेक्स 1 लाख से अधिक पक्षियों का घर है। जहां तक 'रामसर साइट' का सवाल है, कच्छ में छारी ढांढ में कुल 22,700 हेक्टेयर भूमि पर 150 से अधिक प्रजातियों के 30 हजार से अधिक पक्षियों के लिए संरक्षित पक्षी निवास स्थान है।

जबकि नाला सरोवर और खिजड़िया पक्षी अभयारण्य इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिसमें नल सरोवर में228प्रजातिके पक्षी और खिजड़िया में 200 से अधिक प्रजाति के पक्षी देखे गए। नल सरोवर में 3.62 लाख तथा खिजड़िया में 1.50 लाख से अधिक पक्षी पाये जाते हैं।

सरकार द्वारा प्रवासी पक्षियों के सर्वेक्षण के लिए ईबर्ड प्लेटफार्म तैयार किया गया है। जिसमें पक्षियों से जुड़ी विभिन्न जानकारियां एकत्रित की गई हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म में पक्षी सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी प्राप्त करके 398 ईबर्ड चेकलिस्ट में से पक्षियों की 300 से अधिक प्रजातियों को पंजीकृत किया गया है। जिसमें कच्छ, जामनगर, बनासकांठा, अहमदाबाद, पोरबंदर, सूरत, देवभूमि द्वारका जिलों में प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का अध्ययन करके डेटा प्राप्त किया गया है।

वन मंत्री ने कहा, 'हजारों ग्रेटर फ्लेमिंगो प्रवास के मौसम में कच्छ के रेगिस्तानी इलाके में पहुंचते हैं। जबकि गुजरात में नल सरोवर, नाडा बेट, थोला, बोरिया बेट जैसी जगहें पक्षी हॉटस्पॉट के रूप में जानी जाती हैं क्योंकि यहां 50 हजार से अधिक स्थानीय और विदेशी पक्षी आते हैं। गुजरात में प्रवासी बारह सिर वाले हंस हर साल सर्दियों में 7000 मीटर से अधिक की ऊंचाई वाले हिमालय से आते हैं।'

2 से 8 अक्टूबर तक गुजरात समेत पूरे भारत में 'वन्यजीव संरक्षण सप्ताह' मनाया जाएगा. राज्य में पशु-पक्षियों की सुरक्षा और देखभाल के लिए सरकार द्वारा करुणा अभियान चलाया जाता है। ऐसे अभियानों से राज्य में पक्षियों का आगमन बढ़ने का भी दावा किया जाता है।

लिंबाली बांध के 5 गेट खोलकर निचले इलाकों में अलर्ट घोषित

गढ़ा :30 सितंबर

गढ़ा (स्वामी) शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन भी धीमी बारिश के कारण मानसून अंतिम चरण में है. इस बारिश से नदियां और चेकडैम उफान पर आने से शहर और ग्रामीण इलाकों में प्राकृतिक सौंदर्य खिल उठा। इस मेघमेहर से शहर में करीब तीन इंच बारिश हुई। इस बीच, गड्डा के रामा घाट और घेलो नदी पर बहते पानी की प्राकृतिक सुंदरता को देखने के लिए लोग अपने परिवार के साथ उमड़ पड़े।

गढ़ा शहर व ग्रामीण इलाकों में धीमी गति से हुई बारिश लगातार बारिश से कपास समेत अन्य फसलों के नुकसान से किसानों में चिंता की लहर

इस बीच, लिंबाली बांध के पांच गेट खोले जाने से लगातार बढ़ते जल प्रवाह के कारण निचले इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

बता दें कि तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से कपास समेत अन्य फसलों के बर्बाद होने से किसानों में चिंता की लहर देखी जा रही है.

आभूषण चमकाने के बहाने दो ठग 4 तोले की सोने की चूड़ियां लेकर फरार

वडोदरा (ईएमएस) सावली में आभूषण चमकाने बहाने दो ठग एक महिला की सोने की चार चूड़ियां लेकर नौ दो ग्यारह हो गए घर लौटे पति को घटना के बारे में पता चला तो वह बाइक पर दोनों ठगों को खोजने काफी दूर तक गया, लेकिन ठग हाथ नहीं लर्गे जिसके बाद महिला के पति ने सावली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवा दीं जिसके आधार पर सावली पुलिस ने ठगों की तलाश शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक वडोदरा जिले के सावली में दो शख्स एक किसान परिवार के घर पहुंचे और कहा कि वह कंपनी से आए हैं और तांबा-पित्तल के बर्तन साफ करने या धुलने का काम करते हैं किसान की पत्नी ने भगवान की पूजा-पाठ में उपयोग किए जानेवाले बर्तन दोनों शख्सों को दिए इन बर्तनों को चमकाने के बाद शख्सों ने महिला को दे दिए बर्तन की चमक देख महिला भी खुश हो गईं बाद में शख्सों ने महिला से कहा कि वह सोने-चांदी के आभूषण इत्यादि भी चमकाते सकते हैं किसान की पत्नी ने कहा कि चांदी के आभूषण तो नहीं हैं उस दौरान दोनों शख्सों ने महिला के हाथ में पहनी सोने की चूड़िया धोने के लिए मांग लीं महिला ने सोने की 4 तोले की चार चूड़ियां निकालकर सफाई के लिए शख्सों को दे दीं जिसे ठगों ने एक कटोरी में रखा और उसमें कुछ लिक्विड और पाउडर डाला तथा अन्य कटोरी में उसे कुछ देर तपाने के बाद ब्रश से साफ कर दियीं बाद में ठगों ने महिला से हल्दी लाने को कहीं महिला हल्दी लेने घर में चली गईं हल्दी लेकर महिला जब लौटी तो ठगों ने चूड़ियां हल्दी में रख दी और कहा कि 10 मिनट बाद इसे धोकर पहन लेनीं इतना कहने के बाद दोनों ठग वहां से रफुचक्कर हो गए कुछ समय बाद महिला ने जब चूड़ियां धोईं तो उनका वजन कम लर्गा कुछ देर बाद महिला ने घर लौटे पति से घटना के बारे में बतायीं पति मोटर साइकिल लेकर ठगों की तलाश में निकल गयीं

गांधीनगर के इंद्रोडा पार्क में इन दिनों रहेगी फ्री एंट्री, बच्चों को ले जाएं

गांधीनगर ,30 सितंबर

गांधीनगर के इंद्रोडा पार्क में निःशुल्क प्रवेशः गुजरात इकोलॉजिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जीईईआर) फाउंडेशन हर साल गांधीनगर के इंद्रोदा पार्क में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 2 से 8 अक्टूबर तक 'वन्यजीव सप्ताह' मनाता है निःशुल्क प्रदान किया जाए।

हर साल ईं फाउंडेशन इस सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण और वन्य जीवन के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है। जिसमें गांधीनगर के इंद्रोदा नेचर एंड फॉरेस्ट पार्क में आगंतुकों को मुफ्त प्रवेश दिया जाएगा।

इस वर्ष 'वन्यजीव सप्ताह' के उत्सव के दौरान ईं फाउंडेशन ने स्वच्छता अभियान, बर्ड वॉक, छात्रों के लिए कार्यशाला सह प्रशिक्षण, इको क्लब शिक्षक प्रशिक्षण, वन्यजीव फोटोग्राफी, फोटोग्राफी प्रदर्शनी और बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है।

उपनिदेशक जीईईआर फाउंडेशन गांधीनगर की सूची के अनुसार पार्क सोमवार 7 अक्टूबर को आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। आगंतुकों को ध्यान देना चाहिए कि पार्क बुधवार, 9 अक्टूबर को बंद रहेगा।

155वीं गांधी जयंती के शुभ अवसर सरसपुर हिंदी शाला 2 स्वच्छता ही सेवा का संदेश देगें

2 अक्टूबर 2024 155 वी गांधी जयंती के शुभ अवसर पर अहमदाबाद महानगरपालिका शाला क्रमांक 2 सरसपुर स्कूल के 155 विद्यार्थियों को गांधी जी की वेशभूषा के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा का संदेश देकर निवेदन किया जा रहा है कि नगर निगम अहमदाबाद द्वारा चलाई जा रही डोर टू डोर गाड़ी में ही कचरा डाले गीला कचरा व सुखा कचरा अलग करके गाड़ी में डाले पॉलिथीन का उपयोग न करे कपड़े की थैली का उपयोग करें.. एक विशाल रैली निकाली जा रही है साथ ही समापन स्थान पर एक मानव श्रृंखला बनाकर 155 विद्यार्थियों के माध्यम से गांधी जी की आकृति बनाई जाएगी जिसमे **AMC.**सरसपुर हेल्थ टीम श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट एवं अन्य सामाजिक सेवा संस्थाएं जुड़ रही है आप सभी से नम्र निवेदन हे अधिक से अधिक संख्या में पधारे और शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के इस अभियान को सफल बनाए. समय सुबह 9 बजे सरसपुर हिंदी शाला 2 अहमदाबाद

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए चार रेल कर्मचारी सम्मानित

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने मंडल के 04 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री उमेश प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री राजेश रोशन फिटर-अहमदाबाद, श्री सीताराम मीणा फिटर-गांधीधाम, श्री भूप सिंह मीणा स्टेशन अधीक्षक-उमरदशी और श्री सुरेश चंद मीणा लोको पायलट-गाँधीधाम ने अप्रत्याशित घटनाओं जैसे कोच के व्हील की स्प्रिंग टूटी हुई देखने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करना, लीडिंग ट्रॉली की राइट साइड सेकेंडरी कॉइल स्प्रिंग टूटी हुई मिलना, ब्रेकवान से असामान्य आवाज सुनने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करना जैसी संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने इन सजग संरक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की और कहा कि यात्रियों की संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

फार्मा क्षेत्र में कैंपस-टू-कॉर्पोरेट अंतर दूर करने के लिए

कैडिला फार्मास्यूटिकल्स और इंद्रशील यूनिवर्सिटी ने टेलर-मेड एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा कोर्स लॉन्च किया

अहमदाबाद, भारत, 30 सितंबर 2024 : वैश्विक स्तर पर फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने कैम्पस 2कॉर्पोरेट प्रोग्राम (C2CP) शुरू करने के लिए इंद्रशील विश्वविद्यालय (IU) के साथ नए सहयोग की घोषणा की है।

फार्मा फील्ड ऑपरेशन्स में यह विशेष रूप से तैयार किया गया कार्यकारी डिप्लोमा कोर्स अकादमिक शिक्षा और कॉर्पोरेट मांगों के बीच के अंतर को दूर करने के लिए तैयार किया गया है। यह कोर्स वास्तव में इच्छुक प्रोफेशनल्स को फार्मास्युटिकल उद्योग में एक सफल कैरियर के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

आज के प्रतिस्पर्धी फार्मास्युटिकल परिदृश्य में, अकादमिक क्षेत्र में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान और कॉर्पोरेट वातावरण की व्यावहारिक मांगों के बीच अक्सर एक विसंगति होती है। कैंपस2कॉरपोरेट प्रोग्राम (C2CP) इसी चुनौती का समाधान करने के लिए बनाया गया है। यह प्रोग्राम खास तौर पर छात्रों को वास्तविक दुनिया की दवाइयों की गहरी समझ से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उन्हें पेशेवर भूमिकाओं में आने वाली जटिलताओं के लिए तैयार किया जा सके।

इंद्रशील विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट (कुलपति) डॉ. धर्मेश जे. शाह (PhD) ने कहा कि, "इंद्रशील विश्वविद्यालय में, हम शिक्षा और उद्योग के बीच के अंतर को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैम्पस2कॉरपोरेट कार्यक्रम उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को लगातार विकसित हो रहे फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल और कॉर्पोरेट अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। कैडिला फार्मास्यूटिकल्स के साथ यह सहयोग उद्योग-तैयार पेशेवरों के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगा।

हापा-कटरा और जामनगर-कटरा श्री माता वैष्णो देवी एक्सप्रेस आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग पर चलेगी

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर डिवीजन के जालंधर कैंट स्टेशन के विकास कार्य के लिए यातायात और ओएचई ब्लॉक के कारण, निम्नलिखित ट्रेनों को आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी के रास्ते चलाया जाएगाः

1)02.10.2024कीट्रेन नंबर 12477 जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ।

2) 01.10.2024 और 08.10.2024 की ट्रेन नंबर 12475 हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www .enquiry .indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे-अहमदाबाद मण्डल

यात्री लिफ्टों का प्रावधान

ई-निविदा सूचना संख्या 21 वर्ष 2024-2025 दिनांक 26.09.2024, (1) ई-निविदा संख्या: DRM-ADI-163-2024-25, कार्य का नाम: मण्डल इंजीनियर (उत्तर)-अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में 08 मात्रा यात्री लिफ्टों का प्रावधान. **अनुमानित एनआईटी लागत:** ₹ 5,39,58,770.32/- **ईएमडी राशि:** ₹ 4,19,800.00/- **ई-निविदा बंद होने की तिथि:** दिनांक **22.10.2024 समय 15:00** बजे. **कार्यालय का पता:** वरि. मण्डल इंजीनियर (समन्वय)- अहमदाबाद, डी. आर. एम. ऑफिस, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद-382345. **ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेब साइट: www.ireps.gov.in** 191

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – भावनगर मण्डल

ई-निविदा आमंत्रण नोटिस

सं. W.118/NIT/E-Tender/2024-25/20/WA दिनांक 24/09/2024. मंडल रेलवे, प्रबंधक (एस एंड टी), पश्चिम रेलवे, भावनगर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं: **(i) निविदा क्रमांक: 23-2024:** भावनगर डिवीजन: भावनगर डिवीजन, पश्चिम रेलवे (चरण-I) के दामनगर (डीएमई)- पीपावाव (पीपीवीएस) और राजुला (आरएलए)- महुवा (एमएचवी) खंडों में शेरों की लगातार आवाजाही के लिए घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **अनुमानित लागत:** ₹ 87755115.77/- बोली दाताओं को अधिक जानकारी के लिए केवल www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। कृपया वेब साइट पर जाएं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख **24.10.2024** को 15.00 बजे तक रहेगी।

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly 105

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

इंजीनियरिंग विभाग

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 087 of 2024-25. भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (WA/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं. (1) निविदा सं. DRM BRC 087 of 2024-25. कार्य का नाम:** छायापुरी:- अनकवर्ड क्षेत्र पर कवरशेड का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 5,19,92,581.88/- **बोली सुरक्षा जमा कराना:** ₹ 4,10,000.00/- **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदाएं दि. **18.10.2024** को **15.00 बजे** से पहले जमा कराना है और उसी दिन **15.30 बजे** खोली जाएगी। **वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं:** वेबसाइट @ **www.ireps.gov.in** मंडल रेल प्रबंधक (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004

W/623/NIT of 2024-25 dated 26.09.2024 189

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

अहमदाबाद मण्डल पर रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और कार्यालयों में चलाया गया स्वच्छता अभियान

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 30 सितंबर 2024 को रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और कार्यालयों में व्यापक रूप से साफ-सफाई और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें अहमदाबाद मंडल के अहमदाबाद, साबरमती, पालनपुर, महेसाणा, हिम्मतनगर, गांधीधाम सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों, रेलवे ट्रैक और कार्यालय परिसरों की सफाई की गई। मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय में कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर कार्यालय और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की गई।

29 सितंबर 2024 को रेलवे स्टेशनों पर बेस किचन, रेस्टोरेंट, फूड स्टॉल और फूड ट्रॉलियों की विशेष सफाई की गई। इस दौरान स्वास्थ्य निरीक्षकों और वाणिज्य निरीक्षकों द्वारा अहमदाबाद, असारवा तथा विरमगाम स्टेशनों पर फूड स्टॉल्स, बेस किचन, कैंटीन और ट्रेनों में पैंट्रीकार का निरीक्षण किया गया। यात्रियों, वेंडर्स और रेल कर्मियों को स्वच्छ भोजन और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

कुमार आर्क टेक लिमिटेड ने 740 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

वजीर रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक मूल्य के संदर्भ में भारत में पीवीसी2 मिश्रण-आधारित निर्माण सामग्री उत्पादों के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक कुमार टेक लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक रु.2 अंकित मूल्य) की पेशकश के माध्यम से कुल रु.7400 मिलियन (रु.740 करोड़) तक का धन जुटाने की योजना बनाई है।

इस ऑफर में कुल रु.2400 मिलियन (रु.240 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू ('ताजा इश्यू') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल ?5000 मिलियन (रु.500 करोड़) तक के शेयरों की बिक्री का ऑफर ('बिक्री के लिए ऑफर') शामिल है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एनएसई") पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। (लिस्टिंग विवरण)

मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

नर्मदा एग्रोबेस लिमिटेड का रु. 36.58 करोड का राइट्स इश्यू 30सितंबर से खुला

राइट इश्यू में शेयर 27 सितंबर को रु. 18.40 प्रति शेयर के बंद कीमत की तुलना में रु. 15 प्रति शेयर पर पेश किए गए है

अहमदाबाद, 30 सितंबर, 2024: कॉटनसीड मील केक, पशु चारा और सोयाबीन मील के उत्पादन और प्रोसेसिंग के व्यवसाय में लगी अहमदाबाद स्थित नर्मदा एग्रोबेस लिमिटेड (बीएसई - 543643) का रु. 36.58 करोड का राइट्स इश्यू 30 सितंबर, 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला। राइट इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करना, प्लान्ट और मशीनरी की खरीद, भूमि का अधिग्रहण, ओईल मिल प्लान्ट का निर्माण, अन्य सिविल कार्य और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य शामिल हैं। कंपनी का राइट इश्यू 27 सितंबर, 2024 को रु. 18.40 प्रति शेयर के बंध कीमत की तुलना में रु. 15 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 09 अक्टूबर, 2024 को बंद होगा।

गाय छाप नर्मदा पशु आहार

कंपनी रु. 10 अंकित मूल्य के 2,43,87,685 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर रु. 15 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर नकद में जारी करेगी, जिसकी कुल कीमत रु. 36.58 करोड होगी। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 9:5 पर तय किया गया है (यानि की रिकॉर्ड तिथि 16 सितंबर, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 5 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के लिए रु. 10 के अंकित मूल्य के 9 राइट्स इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 03 अक्टूबर, 2024 तक है।

रु. 36.58 करोड की इश्यू की आय में से, कंपनी रु. 17.87 करोड कार्यशील पूंजी की आवश्यकता के लिए, रु. 7.70 करोड भूमि अधिग्रहण, ओईल मिल प्लान्ट के निर्माण और अन्य सिविल कार्यों और प्लान्ट एवं मशीनरी की खरीद के लिए और रु. 9.01 करोड सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है।

कंपनी द्वारा निर्मित प्रोडक्ट्स का उपयोग मवेशियों को खिलाने और जानवरों को आवश्यक उच्च मात्रा में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व प्रदान करने के लिए किया जाता है। इन प्रोडक्ट्स के बाय-प्रोडक्ट्स का उपयोग कपड़ा उद्योग, कन्ज्युमर गुड्स उद्योग और कागज उद्योग में भी किया जाता है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95